संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 340
पृष्ठ 8
बुधवार
03 सितंबर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हेयरस्टाइल के लिए महंगी एक्सेसरीज..

विचार- मनुष्य के दखल से पृथ्वी की बदहाली...

खेल- मिचेल स्टार्क का टी20 अंतरराष्ट्रीय...

यूपी कैबिनेट की 15 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

निर्यात को मिलेगा बढ़ावा, 882 करोड़ का बजट

- ई-बसों से लेकर निर्यात नीति तक लिए बड़े फैसले
- वाराणसी में दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए नया केंद्र
- आउटसोर्स कर्मियों की होगी सीधी भर्ती सामाजिक सुरक्षा और आरक्षण का प्रावधान

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज कैबिनेट मीटिंग हुई जिसमें 15 अहम निर्णय लिये गये। कैबिनेट बैठक में राज्य के विकास से जुड़े 15 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट–2013 के सेक्शन–8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी देना शामिल रहा। नगरीय परिवहन, आउटसोर्सिंग, आईटी, निर्यात नीति और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कई अहम निर्णय लिए गए। लखनऊ और कानपुर में नगरीय परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ई–बसों के संचालन को मंजूरी दी गई है।दोनों शहरों में 10–10 रूटों पर ई–बसें चलाई जाएंगी, जिससे पर्यावरण के साथ–साथ यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाने की कोशिश की जाएगी। उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। जिसके तहत ये साफ किया गया है कि नियमित पदों के सापेक्ष अब आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती नहीं की जाएगी। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है। अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी तय करेगा।कर्मचारियों का मानदेय 16 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया है। आउटसोर्स कर्मचारियों से महीने में 26 दिन सेवा ली जा सकेगी।कर्मचारी तीन वर्षों के लिए अपनी सेवाएं दे सकेंगे। कर्मचारियों का वेतन 1 से 5 तारीख तक सीधे उनके खातों में जाएगा। ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान अब सीधे कर्मचारियों के खाते में जाएगा, पहले यह राशि सर्विस प्रोवाइडर के पास चली जाती थी।किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सेवा तुरंत समाप्त की जा सकेगी। आउटसोर्सिंग के लिए चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और साक्षात्कार का प्रावधान किया गया है। इससे बेहतर गुणवत्ता वाले और योग्य कार्मिकों की नियुक्ति सुनिश्चित होगी।

अब कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती : मोदी

> भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। हमारी यात्रा देर से जरूर शुरू हुई, लेकिन अब हमें कोई नहीं रोक सकता।
>
> नरेन्द्र मोदी
> प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भले ही सेमीकंडक्टर विनिर्माण में भारत की यात्रा देरी से शुरू हुई है, लेकिन अब कोई भी ताकत हमें रोक नहीं सकती। श्री मोदी ने यहां द्वारका स्थित यशोभूमि में तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। साल 2021 में सेमीकॉन इंडिया की शुरुआत हुई थी और साल 2023 में पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए मंजूरी प्रदान की गयी। साल 2024 में और संयंत्रों को मंजूरी दी गयी और साल 2025 में पांच और परियोजनाएं मंजूर की गयीं। कुल 10 परियोजनाओं में 18 अरब डॉलर का निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा, ष्भारत बैकएंड से निकलकर पूर्ण शक्तिशाली सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की राह पर बढ़ रहा है। भले हमारी यात्रा देरी से शुरू हुई हो, लेकिन अब कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती।ष उन्होंने कहा कि टाटा और माइक्रोन ने टेस्ट चिप बनाने शुरू कर दिये हैं और पहला वाणिज्यिक चिप भी इसी साल बाजार में आ जायेगा। प्रधानमंत्री ने घरेलू और विदेशी कंपनियों से इस क्षेत्र में निवेश का आह्वान करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार की नीति ''अल्पकालिक संकेत नहीं, दीर्घकालिक प्रतिबद्धता'' है। उन्होंने कहा, ''आपकी हर जरूरत हम पूरी करेंगे। वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी डिजाइन इन इंडिया, मेड इन इंडिया।'' उन्होंने कहा कि दुनिया में सेमीकंडक्टर डिजाइन करने वाली प्रतिभाओं में 20 प्रतिशत भारतीय है। देश के नवाचारों और स्टार्टअप कंपनियों से उन्होंने अपील की कि वे आगे आएं, सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है।

डॉ. मित्तल संयुक्त अरब अमीरात में भारत के नये राजदूत नियुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी डॉ. दीपक मित्तल को संयुक्त अरब अमीरात में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि डा.मित्तल विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं और उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। वह कतर में भारत के राजदूत रह चुके हैं। डॉ. मित्तल श्री संजय सुधीर की जगह लेंगे जो अब तक संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत थे।

वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद उन्होंने भारत और तालिबान शासन के बीच औपचारिक संपर्क शुरू कराने में अहम भूमिका निभायी थी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच राजनयिक संबंध 1972 में स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच पिछले छह–सात वर्षों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के बाद इनमें नयी ऊर्जा आयी है। अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ–साथ वहां के कुछ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने भी भारत की यात्रा की है।

दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट : यमुना का लोहा पुल बंद, यातायात डायवर्ट, सीएम बोलीं- हालात काबू में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यातायात पुलिस ने मंगलवार को एक परामर्श जारी कर कहा कि यमुना में बढ़ते जलस्तर के कारण लोहा पुल, जिसे पुराना लोहे का पुल भी कहा जाता है, शाम 4 बजे से अगली सूचना तक बंद रहेगा। साथ ही हनुमान सेतु, राजा राम कोहली मार्ग और गीता कॉलोनी रोड के रास्ते यातायात के संभावित परिवर्तन के बारे में यात्रियों को चेतावनी दी गई है, तथा लोगों से सार्वजनिक परिवहन का विकल्प चुनने

और लोहा पुल तथा इसके आस–पास के हिस्सों में व्यवधान के लिए अतिरिक्त समय के साथ यात्रा करने का आग्रह किया है। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली के लोहा पुल के पास बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर पहुँच जाने के कारण पुल के आसपास यातायात और आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई थी। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने निवासियों से बातचीत की और कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक राष्ट्रीय राजधानी पहुँचने की उम्मीद है और प्रभावित परिवारों के रहने की व्यवस्था कर दी गई है। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। इसके बावजूद, यहाँ से पानी का बहाव सही दिशा में है। प्रशासन ने यहाँ के निवासियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कर दी हैं। और भी बेहतर व्यवस्थाएँ की जाएँगी। मैंने यहाँ के लोगों से मुलाकात की और उनके रहने की व्यवस्था देखी...यमुना के मैदान में ही पानी का बहाव है...लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जा रही हैं...हम किसी भी तरह की कठिनाई नहीं होने देंगे। इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भारी बारिश के कारण यमुना नदी के खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार करने के बाद, लोहा पुल के पास यातायात और आम लोगों की आवाजाही आज शाम 5 बजे तक रोक दी गई थी।

किसानों, गामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण को विशेष प्राथमिकता दें बैंक : मुर्मु

चेन्नई, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण हमारे बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कि समय पर और किफायती ऋण प्रदान करके, वित्तीय साक्षरता प्रदान करके और कृषि–तकनीक पहलों को समर्थन देकर, बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं। श्रीमती मुर्मु यहां सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थी। 'स्वदेशी बैंकिंग की विरासत 120 वर्षों का उत्सव' शीर्षक के इस समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल एन आर रवि , केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु सरकार की समाज कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण विभाग की मंत्री पी गीता जीवन उपस्थित थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे–जैसे हमारी डिजिटल और ज्ञान–संचालित अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल परिवर्तन और उद्यमिता में बैंकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। स्टार्ट–अप से लेकर स्मार्ट सिटी तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र (एमएसएमई क्षेत्र) को विकास के इंजन में बदलने में बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, " हमारे बैंकों को वंचित और हाशिये पर पड़े वर्गों की मदद के लिए भी कदम उठाने चाहिए। दिहाड़ी मजदूरों और प्रवासी मजदूरों को बैंकिंग सेवाओं से बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किये जाने चाहिए।" श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और बैंकिंग उद्योग इसकी विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा, "तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक परिदृश्य में, लोगों की आकांक्षायें काफ़ी बढ़ी हैं। बैंकों की भूमिका वित्तीय लेन–देन से कहीं आगे बढ़ गयी है। बैंक केवल धन के संरक्षक नहीं हैं।

कांग्रेसी नेता पवन खेड़ा के पास दो वोटर आईडी : भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेसी नेता पवन खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र होने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं, जबकि कानून के मुताबिक देश के किसी भी नागरिक के पास सिर्फ एक वोटर आईडी होनी चाहिए। श्री भंडारी ने कहा कि ऐसे में जब श्री खेड़ा का सच सामने आ चुका है तो क्या देश भर में घूमकर आम मतदाताओं के वोटों को फर्जी बताने और वोट चोरी का आरोप लगाने वाले कांग्रेसी नेता राहुल गांधी अपने पार्टी के नेता के खिलाफ कुछ कार्रवाई करेंगे या कुछ बोलेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस मीडिया प्रमुख खेड़ा के पास दो वोटर आईडी .. एक्सएचसी 1992338 और एसजेई 0755967 हैं।

'आज पंजाब संकट में है', केजरीवाल की मदद की गुहार

आप विधायक एक महीने का वेतन दान करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पंजाब के लिए देशव्यापी समर्थन की अपील की। घ्घ्उन्होंने घोषणा की कि पार्टी के सांसद और विधायक पंजाब के मुख्यमंत्री राहत कोष में एक महीने का वेतन देंगे। आप नेता की यह अपील ऐसे समय में आई है जब पंजाब भारी बारिश और बाढ़ के बाद की स्थिति से जूझ रहा है, जिससे कई जिलों में व्यापक क्षति और विस्थापन हुआ है। एक्स पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने कहा कि पंजाब देश पर आए किसी भी संकट का सामना करने के लिए हमेशा डटकर खड़ा रहा है।

आज, पंजाब खुद संकट में है। मैं अपने सभी देशवासियों से इस कठिन समय में पंजाब के लोगों की हर संभव मदद करने की अपील करता हूँ। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी सांसद और विधायक पंजाब के मुख्यमंत्री राहत कोष में एक महीने का वेतन दान कर रहे हैं। आइए हम सब मिलकर पंजाब को इस भयानक त्रासदी से उबरने में मदद करें। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री एस हरदीप सिंह मुंडियन के अनुसार, बाढ़ ने 12 जिलों में 2.56 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, हजारों लोगों को विस्थापित किया है और मानव जीवन, संपत्ति, कृषि और पशुधन को भारी नुकसान हुआ है।

के कविता का बीआरएस पार्टी से तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को अपनी एमएलसी के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। यह निर्णय उनके पिता, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने लिया। उन्होंने अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण उनकी हालिया टिप्पणियों और गतिविधियों को बताया जो पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के विरुद्ध थीं।

बीआरएस ने ट्वीट किया कि पार्टी नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से ले रहा है क्योंकि पार्टी एमएलसी के. कविता का हालिया व्यवहार और चल रही पार्टी विरोधी गतिविधियाँ बीआरएस पार्टी को नुकसान पहुँचा रही हैं। पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित करने का निर्णय लिया है। कविता का निलंबन बीआरएस के भीतर एक बड़ी घटना है, जो ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी पहले से ही आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है। यह कदम हफ़्तों से बढ़ते तनाव के बाद उठाया गया है। निलंबन से ठीक एक दिन पहले, उन्होंने केसीआर की छवि खराब करने के लिए पार्टी के सहयोगियों पर खुलेआम आरोप लगाकर बीआरएस में खलबली मचा दी थी। उन्होंने वरिष्ठ नेता टी हरीश राव और पूर्व सांसद मेघा कृष्ण रेड्डी पर अपने पिता पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने का आरोप लगाया और हरीश राव तथा संतोष कुमार पर उन्हें दरकिनार करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया।

प्रेरणा तलवार की प्रथम कविता संग्रह 'सब्र की तवानाई' का हुआ लोकार्पण

चंडीगढ़। शहर समता विचार मंच चंडीगढ़ इकाई की तरफ से जीरकपुर मोहाली की कवयित्री आ० प्रेरणा तलवार जी के प्रथम काव्य संग्रह 'ष्सब्र की तवानाई'ष का लोकार्पण समारोह आर्य समाज सेक्टर 7 चंडीगढ़ में किया गया। इस काव्य–संग्रह का प्रकाशन 'साहित्य संगीत संगम' संस्था द्वारा किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत शहर समता विचार मंच चंडीगढ़ इकाई की अध्यक्षा प्रभजोत कौर श्जोतश जी ने आए हुए मेहमानों का स्वागत करते हुए किया। प्रोग्राम का उत्कृष्ट संचालन आ० सुनीता

सिंह जी ने किया। समारोह में श्रीमती नेहा शर्मा श्नेहश जी मुख्य अतिथि व श्रीमती अनिता सुरभी जी अध्यक्षा के तौर पर उपस्थित रहीं । पुस्तक पर समीक्षात्मक चर्चा श्रीमती नीरजा शर्मा जी और श्रीमती नीलम नारंग जी द्वारा बखूबी की गई ।

प्रेरणा तलवार जी ने अपने साहित्यिक सफर की शुरुआत के बारे में बताया कि उन्हें कविता लिखने की लगन उनके पिताजी द्वारा लगी । शादी के बाद उनके पति द्वारा उन्हें पूरा सहयोग मिला जब वह अपनी कविता अपने पति को दिखाती या सुनाती थी तो वह उन्हें बहुत प्रोत्साहित करते थे। आज उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर उनको अपना पहला काव्य संग्रह समर्पित किया।

प्रेरणा तलवार जी की माता जी सहित उनके परिवार और आ० अनीता सुरभी , आ ० नेहा शर्मा श्नेहश जी,आ० नीलम नारंग जी , आ० मोनिका कटारिया जी , आ० सुनीता सिंह जी , आ० प्रभजोत कौर श्जोतश जी ,आ०संगीता शर्मा कुंद्रा जी , आ० नीरजा शर्मा जी और आ० प्रणिता बिस्वास जी को सम्मानित किया गया। शहर समता विचार मंच चंडीगढ़ इकाई की तरफ से आ० प्रेरणा तलवार जी व उनकी माता जी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आर्य समाज के सेक्रटरी श्री प्रकाश जी द्वारा समारोह को भव्य स्वरूप व अथक सहयोग के लिए उनका विशेष आभार प्रकट करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। आ० प्रणिता बिस्वास जी द्वारा संस्थापित व संचालित वृद्धि एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी से आई मानसी व श्वेता (कक्षा ग्यारहवीं की छात्राएँ) की स्वरचित कविता व कहानी प्रशंसनीय रही । सोसायटी के बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंगस व कलाकृतियाँ विशेष आकर्षण का बिंदु रहीं। समारोह का समापन सभी उपस्थित गुणीजनों का आभार ज्ञापित करते हुए व सभी को आ०प्रेरणा तलवार जी के परिवार द्वारा जलपान –मिष्ठान के लिए आमंत्रित करते हुए हुआ।

इविवि के तीन विभागों को मिलेंगे इसी सप्ताह 19 नए शिक्षक

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के तीन विभागों को इसी सप्ताह 19 नए शिक्षक मिलेंगे। परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान (पूर्व में गृह विज्ञान), वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन (कॉमर्स) और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल केंद्र (अर्ली चाइल्डहुड केयर सेंटर) के लिए चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। चयनित उम्मीदवारों के नामों की घोषणा चार सितंबर को कार्य परिषद की बैठक में हो सकती है। परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर के एक–एक पद पर नियुक्ति होनी है। कॉमर्स विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के छह, एसोसिएट प्रोफेसर के चार और प्रोफेसर के तीन पदों पर इंटरव्यू हो चुका है। वहीं, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल केंद्र के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के तीन और प्रोफेसर के एक पद के लिए चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। गौरतलब है कि इविवि ने 321 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए आवेदन 11 अप्रैल से 2 मई तक लिए गए थे। इनमें 129 असिस्टेंट प्रोफेसर, 127 एसोसिएट प्रोफेसर और 65 प्रोफेसर के पद शामिल हैं। कुल 34 विषयों में प्रोफेसरों और 46 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति प्रस्तावित है।

आर्य कन्या में पांच तक लें दाखिला

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में एमए पाठ्यक्रम (राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, संगीत गायन एवं अंग्रेजी साहित्य) में प्रवेश के लिए पीजीटी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित सभी छात्राएं तथा बीए व बीकॉम की वे छात्राएं जिन्होंने सीयूईटी परीक्षा दी है और इलाहाबाद विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय में पंजीकरण कराया है, वे पांच सितंबर तक महाविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रवेश ले सकती हैं। वहीं, बीए और बीकॉम की वे छात्राएं जिन्होंने सीयूईटी परीक्षा नहीं दी है या परीक्षा देने के बाद भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पंजीकरण नहीं करा पाई हैं, वे कॉलेज कार्यालय से रजिस्ट्रेशन फार्म प्राप्त कर सकती हैं।

सीमांचल एक्सप्रेस में 15 बच्चों को बचाया

प्रयागराज। जोगबनी से आनंद विहार जाने वाली सीमांचल एक्सप्रेस में मानव तस्करी की सूचना पर मंगलवार को जीआरपी और आरपीएफ ने 15 बच्चों को बचाया। बच्चों को मदरसे में पढ़ने के नाम पर काम करने के लिए लुधियाना ले जाने का आरोप है।

इस ऑपरेशन के दौरान बच्चों को ले जा रहा ठेकेदार फरार हो गया। जीआरपी इस प्रकरण में सूचना देने वाली एनजीओ के साथ इस प्रकरण में जानकारी जुटा रही है। आस्था महिला एवं बाल विकास संस्थान के प्रोग्राम मैनेजर दिव्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि बिहार से उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ बच्चों को सीमांचल एक्सप्रेस से काम करने के लिए लुधियाना ले जा रहे थे। उन्होंने मिर्जापुर में अपनी टीम के साथ जीआरपी को लेकर चेकिंग कराई, लेकिन वहां पर सिर्फ दो मिनट ही ट्रेन रुकी, जिसके कारण बच्चों को नहीं बचाया जा सका। ट्रेन के प्रयागराज चलते ही यहां के अफसर को सूचना दे दी गई। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर दो ट्रेन के पहुंचने के पहले ही जीआरपी और आरपीएफ के जवान महिला टीम के साथ सक्रिय हो गए। जांच के दौरान स्लीपर बोगी में चार और जनरल बोगी 11 बच्चे मिले। सभी 15 बच्चों को ट्रेन से उतार लिया गया। पकड़े गए बच्चों की उम्र 10 से 17 साल है। उनके पास कोई भी कागजात नहीं है। सभी का यही कहना था कि ठेकेदार उन्हें पढ़ने के लिए ले जा रहा था। जीआरपी इंस्पेक्टर अवलेश कुमार सिंह का कहना है की जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पानी संकट की चपेट में सैकड़ों परिवार

प्रयागराज। सोहबतियाबाग के सैकड़ों परिवार पानी संकट की चपेट में हैं। क्षेत्र के पार्षद शिवसेवक सिंह संकट दूर करने के लिए महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी और जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव से गुहार लगा रहे हैं। महापौर और महाप्रबंधक ने क्षेत्र के घरों में संकट दूर करने का आश्वासन दिया है। पार्षद ने महापौर और महाप्रबंधक से मिलकर बताया कि सोहबतियाबाग में नया नलकूप लगाने और रिबोर के बाद पुराने ट्यूबवेल में बिजली का कनेक्शन देना है। लोहा पार्क और तुलसी पार्क के नलकूप खराब हो चुके हैं। नेता चौराहा का नलकूप तीन साल से बंद है।

आठ दिन बाद शुरू हुआ पवनसुत का पूजन–अर्चन

प्रयागराज। पिछले आठ दिनों से बंधवा स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर बाढ़ में डूबा रहा। गंगा–यमुना का जलस्तर सोमवार की शाम घटना शुरू हुआ तो मध्य रात्रि से मंदिर की साफ–सफाई शुरू हो गई। मंदिर के महंत बलवीर गिरि की अगुवाई में आज भोर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवनसुत का गंगाजल व दुग्ध से अभिषेक किया गया। उसके बाद मंगलाआरती की गई।

Notice:- I Suneel Kumar S/o Shree Paras Nath Chief Manager branch Civil Lines (18245) Dist. Prayagraj do hereby declare that the sale Deed dated 23.01.2018 Book No. (1), Zild No. 5463 on pages (19-62) Serial No. 579 Registered in the office of Sub-Registrar Karchhana, Prayagraj in the favour of Mr. Khursheed Ahmad S/o Israr Ahmad related to the property Flat No. B-403 (T1-4B) in Tower one in Rudra Aakriti, Naini Prayagraj has been lost. A F.I.R. No.- 20250000616492 Date-26.08.2015. Police Station e-thana has been lodged for this missing Sale Deed. The said property is already mortgage with SBI R.A.C.P.C. (15488) for Housing loan is in force. At any one found the said Deed the same should return to branch Civil Lines (18245) or R.A.C.P.C. Prayagraj (15488) Prayagraj

सफाई व्यवस्था बेपटरी, सड़क-नाली और स्ट्रीट लाइट की समस्या भी गहराई

प्रयागराज। नार्थ मलाका में करीब चार हजार की आबादी है लेकिन लंबे समय से आमजन समस्याओं का दंश झेल रही है। मुख्य तौर पर सड़क, नाली, गंदगी और स्ट्रीट लाइट की समस्या बनी हुई है। स्थानीय लोग समस्याओं को लेकर नगर निगम और पार्षद से गुहार लगा चुके हैं लेकिन इसके बाद भी समस्या का निस्तारण नहीं हो पाया है। अखबार की टीम जब नार्थ मलाका में पहुंची तो यहां के लोगों ने मुखर होकर इलाके की समस्याएं बयां की। लोगों के मुताबिक मुख्य सड़क से मोहल्ले को जोड़ने वाली करीब 250 मीटर की इंटरलॉकिंग लंबे समय से जर्जर है।

इसकी मरम्मत के लिए कई बार लोगों ने अधिकारियों से लेकर जन प्रतिनिधियों तक शिकायत पहुंचाई लेकिन इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ। मोहल्ले में जर्जर इंटरलॉकिंग के साथ ही खराब स्ट्रीट लाइट भी बड़ी समस्या है। शाम होते ही इस मार्ग पर अंधेरा छा जाता है। स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत नहीं होने से स्थानीय निवासियों को अनहोनी की आशंका सता रही है। वहीं, नालियों पर अतिक्रमण के चलते बारिश के दिनों में कई फीट तक जल भराव की स्थिति बनी रहती है। नालियों पर अतिक्रमण की वजह से सफाई नहीं होने से चोक हो चुकी हैं। मोहल्ले में जल निकासी की व्यवस्था बदहाल है। मोहल्ले में नियमित सफाई नहीं होने के चलते कई जगहों पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। लोगों के मुताबिक कई दिनों तक सफाई कर्मचारी नहीं आते हैं। जिससे कूड़ा कचरा कई जगहों पर जमा रहता है। इलाके में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो चुकी है। सफाई नहीं होने से संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना हुआ है। नगर निगम ने अब तक नहीं कराई फॉगिंग बारिश के दिनों में संक्रामक बीमारियों से लेकर डेंगू और मलेरिया के मच्छरों का खतरा बना रहता है। मोहल्ले वासियों के मुताबिक फागिंग के लिए स्थानीय पार्षद तक बात पहुंचाई गई लेकिन आश्वासन के बाद भी फागिंग नहीं की गई। वहीं, नियमित सफाई नहीं होने के चलते जगह–जगह कूड़ों का ढेर लगा हुआ है। लोगों का आरोप है कि नगर निगम के सफाई कर्मी नियमित आते नहीं और आते भी हैं तो सफाई के नाम पर खानापूर्ति कर चले जाते हैं। मोहल्ले में आवारा कुत्ते बने मुसीबत मोहल्ले में करीब पचास से अधिक आवारा कुत्ते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि आए दिन कुत्ते बच्चों से लेकर राहगीर और वाहन चलाकों को दौड़ाकर काटने का प्रयास करते हैं। कई बार तो लोग बच जाते हैं, लेकिन कई बार शिकार हो जाते हैं। बीते कुछ दिन पहले ही एक कुत्ते ने गाय को काट लिया था जिससे उसकी मौत हो गई है। जबकि मोहल्ले के कई लोगों को काटकर कुत्ते गंभीर रूप से घायल कर चुके हैं। कई साल से ओवर ब्रिज के नीचे जमा है मलबा रामबाग रेलवे क्रॉसिंग पर फ्लाईओवर बनने के बाद से इसके नीचे सड़क किनारे धीरे–धीरे मलाबा जमा हो रहा है। बीते दिनों मलबा इतना बढ़ गया की जेसीबी से हटाना पड़ा तब जाकर सड़क पर आवागमन शुरू हुआ। मलबा हटाने को लेकर कई बार शिकायत की गई लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रामबाग रेलवे स्टेशन पर काम होने के बाद निकाली गई मिट्टी यहां पर फेंक दी गई है। जिसके चलते दिक्कत बनी हुई है। वहीं, बीते कई सालों से कूड़ा व कचरा जमा हो रहा है। जिससे स्थिति गंभीर होती जा रही है। हमारी भी सुनें कई स्थानों पर दिन में भी लाइट जलती रहती है जबकि कई जगह रात में भी अंधेरा रहता है। जीआईसी के सामने से जाने वाली सड़क पर कई महीनों से अंधेरा छाया हुआ है। –आलोक शुक्ला मोहल्ले में कई दिनों तक सड़कों किनारे कूड़ा जमा रहता है। नियमित सफाई नहीं होने से समस्या बनी हुई है। कूड़ा नालियों में जमा हो जाता है, जिससे जलभराव की स्थिति बनी रहती है। –विनोद यादव मोहल्ले की मुख्य सड़क पर पहुंचते ही फ्लाईओवर के नीचे मिट्टी का मलबा जमा हुआ है। वहीं, सड़क खराब होने के चलते वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते रहते हैं। –उमंग शुक्ला पोस्ट ऑफिस के पास मेन सीवर लाइन खराब है। मोहल्ले को जोड़ने वाली आंतरिक सड़कों की इंटरलाकिंग उखड़ चुकी है। जिसके चलते दिक्कत बनी हुई है। बारिश में रास्ता और खराब हो जाता है। –अनिल कुमार सिन्हा मोहल्ले में करीब 200 मीटर की सड़क बीते कई सालों से जर्जर हालत में है। कई बार स्थानीय पार्षद को समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन इसके बाद भी अनदेखी की जा रही है। –कन्हई लाल यादव नालियों में अतिक्रमण के चलते बारिश के दिनों मोहल्ले की मुख्य सड़क पर दो से तीन फीट तक पानी जमा हो जाता है। यह समस्या कई सालों से बनी हुई है। जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारी तक अनजान बने हुए हैं। –आनंद सिंह मुख्य तौर पर सड़क और नाली की समस्या पूरे मोहल्ले में है। मोहल्ले में कई जगह सड़कें और नालियां क्षतिग्रस्त हैं। जिसके चलते सामान्य दिनों में सड़कों पर पानी जमा होता है। –सोनू साहू रामबाग रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज बनने के बाद से समस्या बढ़ गई है। कई वर्षों से बचा हुआ मलबा हटाया नहीं गया है। सड़क जर्जर हो चुकी है, आए दिन गड्ढों में फंसकर लोग गिरते रहते हैं। –गुड्डू सड़क किनारे रात में अंधेरा होने से हादसे का अंदेशा बना रहता है। वहीं, सड़क किनारे नाला संकरा होने से सड़कों पर पानी भर जाता है। बारिश के दिनों निकला भी मुश्किल हो जाता है। –सचिन कुमार सोनकर ओवर ब्रिज बनने के बाद रामबाग जाने के लिए मोहल्ले के लोगों को पैदल ब्रिज से होकर गुजरना पड़ता है। अगर अंडर पास बना दिया जाए तो लोगों को काफी राहत मिलेगी। –सुरेंद्र बारिश के दिनों समस्या और बढ़ जाती है, जब नालियों से बहता पानी सड़क पर आ जाता है। सड़कों में हुए गड्ढे में जमा पानी के चलते कई लोग वाहनों से गिरकर चोटिल हो चुके हैं। –सुनील मोहल्ले की मेन सड़क से लेकर गलियों तक में कूड़ा जमा होता है। बारिश के दिनों समस्या और बढ़ जाती है, सफाई नहीं होने से संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। –अनिल कुमार शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा तो मिल गया है, लेकिन नार्थ मलाका का विकास नहीं हुआ है। कई बार सड़क, नाली व स्ट्रीट लाइटों के लिए गुहार लगा चुके है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। –महेंद्र प्रताप सिंह नालियां चोक होने के चलते बारिश के दिनों में घर के सामने करीब दो फीट तक पानी जमा होता है। जल निकासी की समस्या गंभीर बनी हुई है। वहीं, मोहल्ले की सड़कों में भी सुधार की जरूरत है।–बाल मुकुंद शुक्ला काफी सालों से मोहल्ले में सड़क, नाली और सफाई की समस्या व्याप्त है। मुख्य सड़क जगह जगह से टूट चुकी है। जिसके चलते आने–जाने में दिक्कत बनी हुई है। –शिवम शुक्ला बोले जिम्मेदार मोहल्ले की सड़क जहां–जहां पर क्षतिग्रस्त है, वहां जल्द ही पैचिंग का कार्य कराया जाएगा। वहीं, नालियों में कचरा फंसने के चलते चोक की स्थिति बनी हुई है। इसकी भी सफाई कराकर जलभराव समस्या का निस्तारण किया जाएगा। –दिनेश चंद्र सचान, मुख्य अभियंता, नगर निगम

लोकतंत्र सेनानी बनकर 49 साल तक ली पेंशन, एक युवक ने हड़प लिए 18 लाख रुपये

पहले तो 3 साल भर्ती परीक्षा ही नहीं हुई, अब हो गई तो 4 महीने से रिजल्ट का इंतजार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी पाना आसान बात नहीं है। प्रदेश के 331 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 910 पदों पर चयन के लिए पहले तो लिखित परीक्षा के इंतजार में आवेदकों की आंखें पथरा गई और जब तीन साल की देरी से परीक्षा हो गई गई तो अब परिणाम घोषित होने का नाम नहीं ले रहा है। इस भर्ती के लिए उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने तीन साल पहले 2022 में आवेदन लिए थे। बाद में उस आयोग का अस्तित्व ही खत्म हो गया और नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग ने तीन साल बाद परीक्षा कराई।

विशेषज्ञों की मानें तो ओएमआर शीट पर आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित होने में मुश्किल से दो सप्ताह का समय लगना चाहिए, लेकिन नवगठित आयोग चार महीने बाद भी परिणाम नहीं जारी कर सका है। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के परीक्षार्थी सोशल मीडिया पर एक ही सवाल पूछते नजर आ रहे हैं कि परीक्षा का परिणाम कब तक घोषित होगा। फेसबुक पर असिस्टेंट प्रोफेसर वैकेंसी को लेकर एक पेज भी बनाया गया है।

असिस्टेंट प्रोफेसर बीएड भर्ती का 107 पदों का विज्ञापन निरस्त

वहां शौर्य त्रिपाठी नाम के एक यूजर ने सवाल पूछा है कि परीक्षा परिणाम कब तक आएगा। इस पर कई यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने तो यहां तक लिख दिया है कि इस प्रश्न का जवाब देने के लिए स्वयं युधिष्ठिर को आना पड़ेगा। एक यूजर ने कमेंट किया है कि विधानसभा चुनाव से पहले परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। बहरहाल, परिणाम को लेकर अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। आयोग के जिम्मेदार अधिकारियों में से कोई भी इस सवाल का जवाब देने को तैयार नहीं है।

आदेश बेअसर, बिना हेल्मेट वालों को पेट्रोल देने में कोई रोक-टोक नहीं

प्रयागराज। दृश्य–01 कानपुर रोड स्थित ऑटो पेट्रोल संस पर एक पुलिस कांस्टेबल बिना हेलमेट के बाइक में पेट्रोल डलवाता नजर आया। कुछ ही दूर पर ही बकायदा 'नो हेलमेट नो पेट्रोल का बैनर भी लगा हुआ था। दृश्य–02 गऊघाट स्थित पेट्रोल पंप पर भी मनमानी दिखी। यहां भी कर्मचारी बिना हेलमेट वालों को भी उनकी बाइक में पेट्रोल दिया। यहां तो 'नो हेलमेट नो पेट्रोल का बैनर भी कहीं नजर नहीं आया। प्रयागराज। एक सितंबर से दो पहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं देने का आदेश फिर जारी किया गया है। पहले दिन ही शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर यह आदेश बेअसर दिखा।

पेट्रोल पंप कर्मचारी बिना हेलमेट के दोपहिया चालकों को पेट्रोल देते रहे। कुछ जगहों पर पुलिस वाले भी बिना हेलमेट के नजर आए। जिन पर आदेश लागू कराने की जिम्मेदारी है वही बेपरवाह हैं। प्रदेश सरकार का यह आदेश भले ही आम लोगों की सुरक्षा के लिए है, लेकिन इसे लेकर अफसर ही गंभीर नहीं है। यही कारण है कि 'नो हेलमेट नो पेट्रोल को लेकर पेट्रोल पंप संचालक भी संजीदा नहीं हैं। पेट्रोल पंपों के कर्मचारी बिना हेलमेट वाले दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल देने से एक बार मना भी नहीं कर रहे थे। सोमवार को कल्याणी देवी, हाईकोर्ट चौराहा, अटाला, सिविल लाइंस, तेलियरगंज, मेयोहाल, चुंगी समेत शहर के अधिकांश क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर आदेश बेअसर नजर आया।

कोट एक से तीस सितंबर तक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। सोमवार को संगम पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के पहुंचे दोपहिया वाहन चालकों को बिना पेट्रोल दिए वापस कर दिया गया। आगे और सख्ती की जाएगी। चालान किया जाएगा। पेट्रोल पंप संचालकों को भी हिदायत दी गई है। – राजीव कुमार, एआरटीओ प्रवर्तन

जलकर पर रोपित ब्याज 30 तक माफ, 10 फीसदी छूट भी

प्रयागराज। पानी, सीवर का बकाया बिल 30 सितंबर तक जमा करने वालों को 100 फीसदी ब्याज माफी की छूट मिलेगी। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष का बिल जमा करने वपर 10 फीसदी छूट की अवधि भी 30 सितंबर तक बढ़ाई गई है। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने ब्याज माफी और छूट का आदेश जारी किया। जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि अवैध कनेक्शन लेने वाले भी 30 सितंबर तक निर्धारित शुल्क जमा कर अपना कनेक्शन वैध करा सकते हैं। इससे पहले नगर निगम ने चालू वित्तीय वर्ष के गृहकर पर 30 सितंबर तकत के लिए दूसरी बार 10 फीसदी छूट की अवधि बढ़ाई है।

एबीआईसी के सामने रोड पटरी की दुकानें हटाईं

प्रयागराज। एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के सामने फुटपाथ पर लगने वाली अस्थायी दुकानों को उजाड़ दिया गया। रेडीमेड कपड़े, बैग और जूते–चप्पल की दुकानों से पटा फुटपाथ साफ करने के लिए पहली बार जेसीबी का इस्तेमाल नहीं किया गया। दुकानें उजाड़ने के बाद नगर निगम के प्रवर्तन दल ने सामान

भी जब्त किया। कर्नल दिनेश तंवर के नेतृत्व में सोमवार दोपहर प्रवर्तन दल मार्ग पर पहुंचा और एक तरफ से दुकानों को हटाना शुरू किया। तीन घंटे में फुटपाथ पर 40 से अधिक दुकानें हटा दीं। इससे पहले भी नगर निगम ने इस फुटपाथ पर कई बार अवैध दुकानों को हटाया। कुछ दिन बाद दुकानें फिर सज गईं।

ट्रक चालक ने छह साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

प्रयागराज। सरायइनायत थानाक्षेत्र के इनर रिंग रोड के समीप सोमवार देर शाम छह वर्ष की बच्ची के साथ ट्रक ड्राइवर ने घिनौने कृत्य को अंजाम दिया है। बच्ची के चीखने–चिल्लाने पर परिजन और ग्रामीणों ने दौड़कर ट्रक चालक को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया। नसीरापुर गांव के पास जीटी रोड के किनारे घुमंतू लोगों ने जड़ी बूटी बेचने के लिए डेरा लगाया है। साथ में परिवार भी है। सोमवार शाम कौशाम्बी का एक ट्रक चालक नो इंट्री का बहाना करते उसके डेरे के पास अपना ट्रक खड़ा कर दिया। अंधेरा होने पर ट्रक चालक ने जड़ीबूटी बेचने वाले की छह साल की बच्ची को चॉकलेट दिलाने के बहाने झाड़ी में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म कर ट्रक लेकर फरार होने की कोशिश कर रहा था, तभी बच्ची के चीख सुनकर लोग दौड़ पड़े।

खून से लथपथ बच्ची को देखकर लोग माजरा समझ गए और दौड़ा कर ट्रक चालक को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर बच्ची को सीएचसी कोटवा एट बनी भेज दिया जहां चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेली अस्पताल रेफर कर दिया।

अरविन्द शर्मा बने महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष

मुंबई। संजय कुमार चतुर्वेदी को उत्तर प्रदेश राज्य का अध्यक्ष, कमल श्रीवास्तव को प्रदेश महामन्त्री, राकेश शुक्ला एवं विवेक वर्मा को उत्तर प्रदेश राज्य समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन द्वारा महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश प्रान्त में किया गया पुनर्गठन एवं विस्तार। मीडिया जगत में शीर्षस्थ चर्चित राष्ट्रीय संगठन ष्अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशनष् जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश चन्द्र शुक्ला जी हैं, जिन्होंने महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश प्रान्त में संगठन का पुनर्गठन एवं विस्तार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष, महाराष्ट्र ,अरविंद शर्मा संपादक हिंदी दैनिक भारत संवाद, प्रयागराज, लखनऊ, मुम्बई संस्करण, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश संजय कुमार चतुर्वेदी, हिंदी दैनिक,सच कहूं,उ प्र महासचिव,कमल श्रीवास्तव, संपादक हिंदी दैनिक कर्मठ,तथा उपाध्यक्ष आदि पदाधिकारियों का मनोनयन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा संगठन के प्रति निष्ठा, प्रतिबद्धता एवं सक्रियता के आधार पर पदाधिकारियों का चयन किया गया है, हमारा विश्वास है कि नियुक्त पदाधिकारियों द्वारा संगठन को एक नई दिशा एवं पहचान बनाने में सफलता प्राप्त होगी। हमारी शुभकामनाएं सदैव सबके साथ है। सभी पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति अपने दायित्व एवं कार्य में गुणोत्तर संवर्धन हेतु संकल्पबद्धता ज्ञापित किया है।

ऊँ गणेशाय नमः

महाराष्ट्र में ही क्यूँ विसर्जित किए जाते हैं गणेशा?

मुजफ्फरनगर। वो इसलिए कि –गणपति वहाँ एक मेहमान बनकर गये थे। वहाँ लाल बाग के राजा कीर्तिकेय जी ने अपने भाई गणेश जी को अपने यहाँ बुलाया। और कुछ दिन साथ रहने का आग्रह किया था।जितने दिन गणेश जी वहाँ रहे उतने दिन माता लक्ष्मी और उनकी पत्नी ऋद्धि व सिद्धि वहीं रहीं। इन सबके रहने से लाल बाग धनधान्य से परिपूर्ण हो गया। तो कीर्तिकेय जी ने उतने ही दिन का गणेश जी को लालबाग का राजा मान कर सम्मान दिया। यह एक भाई का परिवार सहित दूसरे भाई द्वारा सम्मान समारोह ही गणेशोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

सुनीता मलिक सोलंकी 'मीना' मुजफ्फरनगर से

आरेडिका के फोर्ड्ड व्हील प्लांट का 6446 व्हीलों की फोर्जिंग का नया कीर्तिमान

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में एमसीएफ फोर्ज्ड व्हील प्लांट ने अगस्त 2025 में उत्कृष्ट निर्माण उपलब्धियां अर्जित करते हुए एक माह में 6446 एलएचबी व्हीलों की फोर्जिंग, 5366 व्हीलों की मशीनिंग तथा 5215 व्हीलों को आउट

टर्न किया। इससे पूर्व मार्च 2025 में 5809 एलएचबी व्हीलों की फोर्जिंग की गई थी। अगस्त 2025 में 6446 एलएचबी व्हीलों की फोर्जिंग की गई जो मार्च 2025 की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत अधिक है। ये उपलब्धियां फोर्ज्ड व्हील प्लांट टीम की निष्ठा, परिश्रम और समर्पण को दर्शाती हैं और आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर रेलवे निर्माण की दिशा में एमसीएफ की बढ़ती भूमिका को सुदृढ़ करती हैं। महाप्रबन्धक महोदय ने बताया कि हम फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को लगातार योजनाबद्ध तरीके से बढा रहें हैं और इस वित्त वर्ष में हमने 60000 से ज्यादा व्हीलों के उत्पादन की योजना बनायी है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे सभी कर्मचारी, अधिकारी एवं संविदाकर्मी दृढ़संकल्पित हैं। पहले फोर्ज्ड व्हीलों को हम दूसरे देशों से आयात करते थे लेकिन अब हम अपनी ही देश में निर्मित फोर्ज्ड व्हीलों का उपयोग कर रहे हैं। इससे हमारी विदेशों पर निर्भरता घट रही है और स्वदेशी निर्माण तथा तकनीक बढ़ रही है। महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए फोर्ज्ड व्हील प्लांट टीम को बधाई दी।

रजिस्ट्री बंद, स्पीड पोस्ट पर दारोमदार

डाक विभाग का दावा, जल्दी पहुंचेगा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। ब्रिटिश काल से चल रही रजिस्टर्ड डाक सेवा अब बंद कर दी गई है। भारतीय डाक विभाग ने एक सितंबर से इसकी बुकिंग बंद कर दी है। स्पीड पोस्ट सेवा में इसका विलय कर दिया है। अब स्पीड पोस्ट सेवा के जरिए डाक पहुंचेगी।यह सुविधा थोड़ी महंगी है,लेकिन तेज सुरक्षित और ट्रैकिंग से लैस है।डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को सरकारी, कानूनी और वित्तीय दस्तावेजों को सुरक्षित रूप से भेजने के लिए शुरू किया था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ईमेल, व्हाट्सऐप, मैसेजिंग एप, आऑनलाइन संचार माध्यमों के चलते रजिस्टर्ड डाक की उपयोगिता में गिरावट आई। इस वजह से इसे बंद करना पड़ा। अब लखनऊ मंडल के 250 से ज्यादा डाकघरों में रजिस्टर्ड डाक की जगह स्पीड पोस्ट सेवा उपलब्ध होगी।रजिस्टर्ड डाक के मुकाबले स्पीड पोस्ट सेवा दूरी और वजन के हिसाब से मंहगी होगी। पहले रजिस्टर्ड डाक 17 रुपये में बुकिंग और 20 ग्राम तक के पत्र के लिए पांच रुपये अतिरिक्त यानी कुल 22 रुपये में सेवा उपलब्ध थी। अब स्पीड पोस्ट में दूरी और वजह के हिसाब से 200 किमी. तक 20 से 50 ग्राम वजन वाले पत्र के लिए 41.30 रुपये चुकाने होंगे।

उपन्यास 'एक यात्रा' और कहानी संग्रह 'क्रौंच पक्षी' का हुआ लोकार्पण

'एक यात्रा' वर्तमान समय का स्पंदन और 'क्रौंच पक्षी' नारी पीड़ा की असमाप्त कहानी है : ज्ञानचंद मर्मज्ञ

शहर समता (बेंगलुरु)। साहित्य साधक मंच द्वारा ज्ञानचंद मर्मज्ञ की अध्यक्षता और मेरठ के चर्चित व्यंग्यकार विनय नोक जी के मुख्य आतिथ्य में संस्था के 217 वें मासिक सारस्वत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध कन्नड़ साहित्यकार श्री बी एस प्रणतार्तिहरण, व्यंग्यकार विनोद कुमार भावुक, ग़ज़लकार डॉ रामगोपाल भारतीय एवं वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ मैथिली प्रकाश राव की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रतीक्षा तिवारी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के पश्चात काव्य गोष्ठी और पुस्तक लोकार्पण का विधिवत आयोजन हुआ। लोकार्पण सत्र में बी एस प्रणतार्तिहरण द्वारा रचित कन्नड़ उपन्यास यात्रे का हिंदी अनुवाद श्एक यात्राश और साहित्य अकादमी से पुरस्कृत कन्नड़ कहानी संग्रह का हिंदी अनुवाद क्रौंच पक्षी का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। दोनों पुस्तकों का हिंदी अनुवाद डॉ. मैथिली प्रकाश राव जी द्वारा किया गया है। सभा को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने कहा कि बी एस प्रणतार्तिहरण जी का उपन्यास श्एक यात्राश वस्तुतः समय के परिवर्तित होते हुए स्वरूप की यात्रा है।समय के साथ संस्कारों के विघटन की यात्रा है।मनुष्य की भौतिक उन्नति और सांस्कृतिक क्षरण की यात्रा है। अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति उदासीनता के कारण जिस प्रकार आज संकेती समाज की पहचान संदिग्ध अवस्था में है ठीक उसी प्रकार हमारे देश में कई ऐसी संस्कृतियां हैं जो अंतिम सांसे ले रही है,कई भाषाएँ हैं जिनके अक्षर अपनी पहचान तीव्र गति से खो रहे हैं। प्रस्तुत उपन्यास वर्तमान समय का स्पंदन है। यह समाज में तेजी से बढ़ रही सांस्कृतिक विपन्नता के प्रति सचेत करता हुआ एक प्रखर उद्‌घोष है। ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत कहानी संग्रह क्रौंच पक्षी पर अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि वैदेही जी द्वारा रचित इस कहानी संग्रह की कहानियां जीवन के समानांतर चलती हैं और हमारी अनुभवों को टटोलती हैं। संग्रह में नारी मन की संवेदना को रेखांकित करते हुए जीवन के उन यथार्थों को निरूपित किया गया है जो कभी–कभी जीवन के संगमरमरी गलियों में अपने पांव नहीं रख पाते और मन के पन्नों पर ही उभर कर दम तोड़ देते हैं। इन कहानियों को पढ़ते हुए ऐसा लगता है जैसे हम स्वयं को बांच रहे हैं। क्रौंच पक्षी एक सच्चाई है जो आज भी नारी के जीवन में पीड़ा की चीत्कार बनकर उभरती है। उन्होंने अनुवादक डॉ मैथिलि राव को बधाई देते हुए कहा कि डॉ. राव की लेखनी में कहानी के कथ्य की आत्मा को स्पर्श करने की अद्‌भुत क्षमता है। डॉ राव ने सांस्कृतिक संवेदना के साथ जिस कुशलता, स्पष्टता और सरलता से कन्नड़ कथानक के मूल स्वरुप को हिंदी में रूपांतरित किया है वह सराहनीय है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री बी एस प्रणतार्तिहरण ने मैथिली जी के कार्य की प्रशंसा करते हुए अनुवाद के प्रति संतुष्टि को प्रकट किया और कहा कि अनुवाद मात्र दो भाषाओं को नहीं बल्कि दो हृदयों को जोड़ता है और इसके माध्यम से सभी में संवेदना की शक्ति प्रदान करता है। विश्व में ऐसे अनेक समुदाय और भाषाएँ हैं जो इसी प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उनके लिए भी यह उपन्यास एक सन्देश है। लोकार्पण से पूर्व पुस्तक परिचय देते हुए मंजू वेंकट ने कहा कि कृति श्क्रौंच पक्षीश स्त्री विमर्श के नए आयाम से हिंदी पाठकों को जोड़ती है। संकेती भाषा का यह प्रथम मौलिक उपन्यास यात्रे लम्बी सांस्कृतिक यात्रा की मर्मस्पर्शी साहित्यिक यात्रा है। अनुवादिका डॉ.मैथिल राव ने अपने वक्तव्य में अनुवाद के क्रम में आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए सृजन यात्रा पर प्रकाश

डाला और अतिथियों एवं उपस्थित साहित्य प्रेमियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की । भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, दीपक पांडे और मृदुला सिंह ने अतिथियों का परिचय दिया। इस अवसर पर श्एक यात्राश के लेखक बी एस प्रणतार्तिहरण और अनुवादक डॉ मैथिलि प्रकाश राव को मंच की ओर से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें डॉ. सुनील पंवार, विनोद कुमार भावुक, डॉ राम गोपाल भारतीय, विनय नोक, उदय प्रताप सिंह, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, प्रतीक्षा तिवारी, रत्नदीप खरे, दीपक पांडे, वरुण दीक्षित, अमित भारतीय अनंत, मधु माहेश्वरी, सुधा अहलूवालिया, अरुणा राणा, मोहम्मद फ़ज़ल, कुँ० प्रवल प्रताप सिंह राणा, डॉ मृदुला चौहान, कामिनी शर्मा, नारायण सिंह, मंजू वेंकट, प्रभात रंजन, डॉ पूनम सिन्हा, सुधा दीक्षित, सुरेंद्र कोहली सूरी, रामस्वरूप कुशवाह, नैना जैन, ज्ञानचंद मर्मज्ञ, उमा नाग, राधेश्याम यादव सुदर्शन, हनुमंतिया, डॉ रणजीत, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, वरदराजन, पद्मा श्रीनिवासन ,नमिता सिन्हा, बापू गौड़ा पाटिल अदि ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचंद मर्मज्ञ एवं प्रतीक्षा तिवारी ने किया, ज्ञानचंद मर्मज्ञ , अध्यक्ष, साहित्य साधक मंच , बेंगलुरु ने सभी का आभार जताया और सुस्वादु भोजन के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने नए केंद्र के शुभारंभ के साथ मुजफ्फरनगर में अपनी उपस्थिति का किया विस्तार

मुजफ्फरनगर। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल), जो नीट और जेईई की परीक्षा की तैयारी के लिए देश की एक प्रमुख कंपनी है, ने मुजफ्फरनगर में अपना नया सेंटर शुरू करने की घोषणा की है। इस सेंटर में 7 क्लासरूम हैं, जहाँ सुबह और शाम के दोनों बैचों में 550 से ज्यादा छात्र पढ़ाई कर सकते हैं। उद्‌घाटन समारोह में एईएसएल रीजनल डायरेक्टर डीके मिश्रा उपस्थित थे। मुजफ्फरनगर में कमल कॉम्प्लेक्स, एस.बी.आई. बैंक के बगल में, रेलवे स्टेशन के सामने, दूसरी मंजिल पर स्थित यह नया क्लासरूम सेंटर मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नीट और जेईई कोचिंग के अलावा, यह सेंटर छात्रों को ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फाउंडेशन–लेवल कोर्स भी उपलब्ध कराएगा, जिससे उनके शैक्षणिक आधार को मजबूत किया जा सके। लॉन्च के बारे में बात करते हुए एईएसएल के रीजनल डायरेक्टर डीके मिश्रा ने कहा, ष्हमें मुजफ्फरनगर में अपने नए केंद्र के उद्‌घाटन की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है, जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण कोचिंग देने के हमारे मिशन में एक अहम कदम है। हमारा फोकस छात्रों को मजबूत शैक्षणिक नींव, स्पष्ट सोच और नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास से सशक्त बनाने पर है। यह केंद्र अनुभवी शिक्षक, व्यापक अध्ययन सामग्री और छात्रों की क्षमता को अधिकतम करने के लिए एक उत्तम सीखने का माहौल प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि हर छात्र, चाहे वह कहीं भी हो, बेहतरीन शिक्षा और संसाधनों का हकदार है, और यह विस्तार हमारे इस लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस विस्तार के साथ एईएसएल का उद्देश्य क्षेत्र के अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह रणनीतिक कदम शीर्ष स्तरीय तैयारी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उठाया गया है, ताकि और अधिक महत्वाकांक्षी छात्र उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग तक पहुंच सकें, जो आकाश इंस्टीट्यूट की पहचान है।

एईएसएल को देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल (नीट) और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (जेईई) के साथ–साथ एनटीएसई और ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए गहन और प्रभावी तैयारी कार्यक्रम प्रदान करने के लिए जाना जाता है। यह संस्थान उच्च गुणवत्ता वाली परीक्षा तैयारी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो छात्रों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने और उनके शैक्षणिक लक्ष्यों में सफलता हासिल करने के लिए सशक्त बनाती है।

लकड़ी के गोदाम में मजदूर की हत्या,पैसे मांगने से मना करने पर युवक ने पटरे से किए कई वार

लखनऊ, संवाददाता। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में एक मजदूर की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। निराश होकर परिजनों ने 1076 पर शिकायत की। वहीं, मंगलवार को घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद डीसीपी साउथ ने मामले को संज्ञान में लिया और तत्काल रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। सीतापुर जनपद के कुशमा गांव निवासी अमित कुमार शर्मा (31) पत्नी मनोरमा, आठ वर्षीय बेटी रिया और छोटे बेटे शशांक के साथ सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एएस टिंबर स्टोर में बीते छह साल से मजदूरी करता था। रविवार को इसी स्टोर में काम करने वाले युवक विकेश कुमार ने अमित से पैसा मांगा। अमित के मना करने पर विकेश ने जान से मारने की नीयत से स्टोर में रखे पटरे से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल अमित को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान अमित की मौत हो गई। मारपीट के दौरान स्टोर में मौजूद दो अन्य युवक भी घटना के गवाह बने। पूरी वारदात स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज वायरल हो चुका है। अमित की पत्नी मनोरमा ने आरोप लगाया कि पति पर हमले की शिकायत लेकर जब वह थाने पहुंची तो पुलिस ने न केवल अनसुना कर दिया बल्कि डांट–फटकार कर भगा दिया। कई बार चक्कर लगाने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। थक–हारकर उसने 1076 पर शिकायत दर्ज कराई थी। हालत बिगड़ने पर जब अमित की मौत हो गई, तब जाकर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। पीड़ित परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि अगर पुलिस समय रहते कार्रवाई करती तो शायद अमित की जान बचाई जा सकती थी। अब सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कानून के रखवालों की चौखट पर न्याय की आस क्यों दम तोड़ रही है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकड़ने के लिए टीमें लगाई गई हैं।

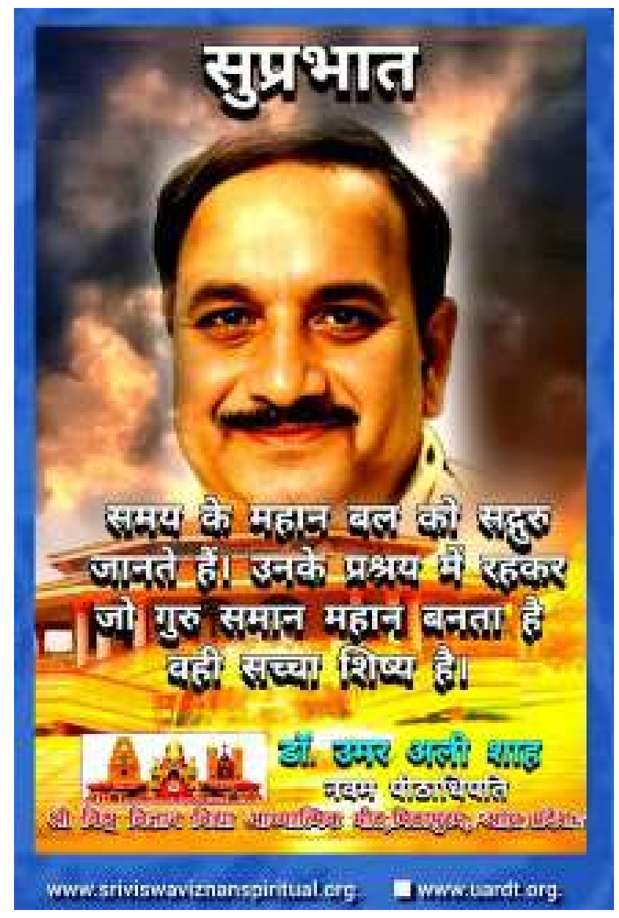

कहते उसे गुलाब

(कुण्डलिया)

बादशाह है फूल का, कहते उसे गुलाब।
काँटों की शय्या बना, रखता उसको दाब।
रखता उसको दाब, हमेशा हँसता रहता।
परिभाषित कर प्यार, उसी की बाते करता।
सुन लो कहें प्रदीप, इश्क़ का ख़ानखाह है।
प्यारा लाल गुलाब, फूल का बादशाह है।

हँसकर लाल गुलाब ने, सिखलाया जब इश्क़।
भाव मुहब्बत के जगे, दफ़्न हो गए रश्क।
दफ़्न हो गए रश्क, इबादत के दिन आए।
महक गये हर शब्द, अर्थ उनके हो छाए।
सुन लो कहें प्रदीप, देह है नश्वर नश्वर।
साँसें हैं गुलज़ार, उन्हें जीने दो हँसकर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

लोकपाल मनरेगा की जनसुनवाई में रखहा ग्राम से आये शिकायतकर्ता

नियमानुसार शपथ पत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जनसुनवाई बरसात में भी निरंतर जारी रही। बेलखर नाथ धाम ब्लाक के रखहा ग्राम से आये ग्रामीणों ने लोकपाल के समक्ष अपनी शिकायत प्रस्तुत की। लोकपाल ने नियमानुसार आवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। वहीं मांधाता ब्लाक के पूरे लाल ग्राम के शिकायतकर्ता रवि सिंह ने ब्लाक द्वारा लगाई गई आख्या पर आपत्ति दर्ज कराते हुए 7 सूत्रीय आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया। वहीं लोकपाल ने नवागत उपायुक्त मनरेगा संतोष सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात किया और मनरेगा योजना में गुणात्मक सुधार हेतु प्रारंभिक चर्चा की। लोकपाल समाज शेखर ने पूरे लाल के रवि सिंह की आपत्ति को स्वीकार कर संबंधित तत्कालीन सचिव व बीडीओ मांधाता को 5 सितंबर तक लोकपाल कार्यालय में अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। लोकपाल के समक्ष रखहा ग्राम के शिकायत कर्ता ग्रामीणों ने आरोप लगाया की प्रधान बिना कार्य कराये भुगतान ले रहे है और जाब कार्ड मनमाने तरीके से बनाकर उपयोग में लाया जा रहा है। तब लोकपाल समाज शेखर ने उन्हे नियमानुसार शपथ पत्र पर अपना आवेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षा की।

वैश्य सभा जनपद मुजफ्फरनगर का सम्मान समारोह सम्पन्न

मुजफ्फरनगर। आज मंगलवार को आलू मंडी, मुजफ्फरनगर स्थित समाजसेवी अंशुमान अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर वैश्य सभा जनपद मुजफ्फरनगर (रजि.) का एक भव्य कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री प्रमोद मित्तल एवं नवनियुक्त महामंत्री श्री विश्वजीत गोयल का समाजजनों ने गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। उन्हें फूलमालाएँ पहनाकर तथा पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। यह नियुक्ति एक लम्बी चुनावी प्रक्रिया के पश्चात पूर्ण बहुमत से हुई है। सभा का संचालन नीरज बंसल ने किया तथा अध्यक्षता संदीप अग्रवाल ने की। कार्यक्रम में उपस्थित वैश्य समाज के सभी गणमान्य व्यक्तियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। समाजसेवी अंशुमान अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि "हम सदैव तन, मन और धन से समाज के साथ खड़े रहेंगे। जब भी समाज को हमारी आवश्यकता होगी, हम कंधे से कंधा मिलाकर योगदान देंगे।" इसके पश्चात अध्यक्ष प्रमोद मित्तल एवं महामंत्री विश्वजीत गोयल एवं ने समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शीघ्र ही सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से युवाओं को आगे लाने पर बल दिया जाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वैश्य समाज सदैव राष्ट्रहित और सामाजिक सेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है, चाहे वह राजस्व संग्रह हो, गरीब तबके की मदद हो अथवा कन्याओं के विवाह का सहयोग वैश्य समाज हर क्षेत्र में समाजसेवा हेतु तत्पर रहता है। अंत में नचिकांत गर्ग एवं नीरज बंसल ने अध्यक्ष एवं महामंत्री का आभार प्रकट कर कार्यक्रम का समापन किया।

सम्पादकीय.......

जीवन रक्षक पहल

कैसी विडंबना है कि जो हेलमेट दुर्घटना में हमारे जीवन की रक्षा करता है, उसे पहनाने के लिये सरकार को सख्ती करनी पड़ रही है। जब तमाम दिशा–निर्देशों की अवहेलना तथा जुर्माने की अनदेखी करके लोग बिना हेलमेट का सफर करने की जिद दिखाते हैं तो निश्चय ही सरकारों को सख्ती करनी पड़ती है। ये आने वाला वक्त ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' मुहिम कितनी प्रभावी साबित होती है। हम यह जानते हैं कि दोपहिया वाहन पर चलना जितना सुविधाजनक है, उतना ही दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील भी। कोई गिरता है तो चोट लगना निश्चित है। खतरा ये होता है कि हमारे गिरने पर पीछे से आ रहा तेज वाहन चाहकर भी गिरने वाले को बचा नहीं पाता। देश में हर साल लाखों दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, कुछ दुर्भाग्यशाली बच नहीं पाते। लेकिन यदि हेलमेट लगा हो तो जीवित बचने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। इस हकीकत को जानते हुए भी कि देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में तीस फीसदी शिकार दोपहिया वाहन चालक ही होते हैं, इस दिशा में लोग गंभीरता नहीं दिखाते। विडंबना यह भी है कि बहुत से लोग हेलमेट लगाते भी हैं तो सस्ते, और उसे भी टशन में लगाने से बचते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीवन रक्षा की यह मुहिम रंग लाएगी। उम्मीद करें कि एक सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को दोपहिया वाहन चालकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। निस्संदेह, दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की वजह हेलमेट न लगाना या फिर अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट ठीक से न पहनना होता है। कई लोग चालान से बचने के लिये औपचारिकता के लिए सस्ता हेलमेट पहन लेते हैं, जो पहनने के बावजूद बचाव नहीं कर पाता। या फिर गिरने की स्थिति में खुलकर अन्यत्र गिर जाता है। सवाल उठता है कि यातायात नियमों के अनुसार अनिवार्य होने के बावजूद लोग हेलमेट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? ऐसी लापरवाही जिसकी कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ सकती है। कुछ लोग जीवनपर्यंत विकलांगता के शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी ऐसी लापरवाही समझ से परे है। एक हकीकत यह भी है कि यातायात पुलिस भी शुरू से ही ऐसी सख्ती नहीं दिखाती कि कोई बिना हेलमेट के वाहन न चला सके। एक संकट यह भी है कि पिछली सीट पर बैठी महिलाएं हेलमेट नहीं पहनती हैं। जबकि हादसे होने की स्थिति में वे भी शिकार बनती हैं। कुछ को अपने बालों के खराब होने की चिंता होती है। क्या जीवन से बड़ी कोई चीज हो सकती है? लेकिन विडंबना यह कि तमाम प्रयासों के बावजूद हम हेलमेट पहनने को लेकर जिम्मेदारी का भाव जगाने में कामयाब नहीं हो पाते। एक आंकड़े के अनुसार, बीते साल तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई। फिर भी हम हकीकत को नजरअंदाज करते हैं। उम्मीद है उत्तर प्रदेश सरकार की मुहिम रंग लाएगी।

पलटी मारने के उस्ताद मोदी

भारतीय राजनीति में पलटी मारने का अगर कोई रिकार्ड दर्ज होगा, तो निश्चित ही नीतीश कुमार को विजेता घोषित किया जाएगा। क्योंकि वे साल बीतते न बीतते अपने विचारों को बदल कर एक गठबंधन से दूसरे में शामिल हो जाते हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी तो शायद पलटी मारने में नीतीश कुमार का रिकार्ड तोड़ चुके हैं, वो भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान, कनाडा, तुर्की इन सारे देशों को लेकर नरेन्द्र मोदी ने जो भी दावे किए, वो सब कुछ ही महीनों में खुद ही खारिज भी कर दिए। निज्जर हत्याकांड में भारत पर लगे गंभीर आरोपों के बाद कनाडा से भारत के रिश्ते इतने बिगड़ चुके थे कि दोनों देशों ने एक–दूसरे के राजनयिकों को निकाल बाहर किया था। वीजा रद्द किए जा रहे थे। यहां तक कि जून में हुई जी 7 की बैठक में भी पहले श्री मोदी को विशेष आमंत्रितों में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन फिर कनाडा के नए प्रधानमंत्री बने मार्क कार्नी ने फोन किया और श्री मोदी कनाडा चले गए। अब दोनों देशों ने फिर से अपने–अपने राजदूतों की नियुक्ति कर दी है। तुर्की के साथ भी ऐसा ही यू टर्न प्रधानमंत्री ने लिया है। ऑपरेशन सिंदूर में जानकारी सामने आई थी कि तुर्की ने भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान की मदद की है, इसके बाद मोदी सरकार ने तुर्की के बहिष्कार की बात कही और श्री मोदी को अंधा समर्थन करने वालों ने तुर्की को कोसना शुरू कर दिया। देश की उन नामचीन हस्तियों को निशाने पर लिया, जिनकी तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयब अर्दोगान से कभी मुलाकात की। लेकिन अब तीन महीने में भारत सरकार ने तुर्की और भारत की कुछ एयरलाइनों के बीच समझौते को हरी झंडी दिखा दी है। यानी बहिष्कार की अवधि तीन महीने भी नहीं रही। अमेरिका के साथ तो जबरन की नजदीकियां और खासकर डोनाल्ड ट्रंप को प्यारा दोस्त बताकर नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश को किस आफत में डाल दिया है, ये अब वो व्यापारी ही बेहतर बता पाएंगे, जिनके कारोबार टैरिफ के कारण ठप्प हो गए हैं। व्यापार रोकने की धमकी देकर ही ट्रंप ने युद्धविराम करने का दावा किया था। लेकिन नरेन्द्र मोदी न ट्रंप को टैरिफ लगाने से रोक पाए, न युद्धविराम की बात को नाम लेकर खारिज किया, और न ट्रंप की तरफ से भारत के लगातार किए गए अपमान पर कोई जवाब दे पाए। अब श्री मोदी की छवि गढ़ने में लगा मीडिया ये साबित करने की कोशिश कर रहा है कि ट्रंप को झटका देने के लिए श्री मोदी ने तैयारी कर ली है और उनकी मौजूदा चीन यात्रा को भी इससे जोड़ा जा रहा है। जापान में बुलेट ट्रेन की सवारी के बाद नरेन्द्र मोदी चीन पहुंच गए। इधर बुलेट ट्रेन का सपना दिखाकर श्री मोदी ने हजारों–लाखों लोगों को कहीं बाढ़, कहीं भू स्खलन का शिकार होने के लिए छोड़ दिया है। बहरहाल, रविवार को नरेन्द्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय मुलाकात की। सात साल बाद श्री मोदी चीन पहुंचे हैं। उनके पिछले दौरे में दोनों नेताओं ने फिल्मी संगीत का आनंद लिया था। लेकिन उसके बाद गलवान घाटी की झड़प हुई, जिसमें भारत के 20 सैनिक शहीद हुए और न जाने कितनी जमीन चीन के पास जा चुकी है, इसका कोई हिसाब सरकार ने नहीं दिया। क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने तो कभी माना ही नहीं कि चीन ने घुसपैठ की है। उनके हिसाब से न कोई आया, न आएगा। लेकिन चीन की घुसपैठ के बारे में लद्दाख के लोग शिकायत करते हैं। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति बहाल नहीं हो पाई है। वहीं चीन ने 2020 के बाद कई बार अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण किया है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत कहता है। यानी उसकी तरफ से विस्तारवादी नीति जारी है और इस बीच ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान को भी चीन ने खुलकर मदद की।

मनुष्य के दखल से पृथ्वी की बदहाली

संजीव ठाकुर

बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए।

महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी किन्तु मनुष्य की लालसा के कारण हमें उद्योग धंधों का विकास तीव्र गति से करना पड़ा, मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया।जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई–मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम

पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ–साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ–सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है, जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे। विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

ड्रैगन और हाथी की मुलाक़ात से वैश्विक राजनीति में बड़ी हलचल हो गयी है

नीरज कुमार दुबे

तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाक़ात को सिर्फ़ औपचारिक कूटनीतिक शिष्टाचार मान लेना भूल होगी।

यह दरअसल उन जटिल और उलझे रिश्तों को नया आकार देने का प्रयास था, जिन्हें पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ ने गहरी चोट पहुँचाई थी। सीमा पर खून बहने के बाद अब बीजिंग नरमी दिखा रहा है, तो यह उसकी मज़बूरी है कि भारत की नहीं। भारत ने यह बार–बार साफ किया है कि रिश्ते तभी आगे बढ़ेंगे जब सीमा पर शांति होगी। मोदी ने तियानजिन में यही संदेश दोहराया कि "सीमा स्थिर रहेगी तभी भरोसा टिकेगा।" देखा जाये तो चीन की पंचशील वाली बात भारत के लिए खोखले आश्वासन से ज्यादा मायने नहीं रखती क्योंकि पिछले वर्षों का अनुभव यही कहता है कि बीजिंग के शब्द और ज़मीन पर उसका व्यवहार मेल नहीं खाते। असली सवाल अब यही है कि क्या बीजिंग अपने वादों को ज़मीन पर उतारेगा, या फिर एक बार फिर "हाथ मिलाओ और पीछे से वार करो" वाली नीति अपनाएगा? फिलहाल तस्वीरें चमकीली हैं, लेकिन भारत ने बहुत स्पष्ट कर दिया है कि रिश्तों की असली परीक्षा सीमा पर होगी, कूटनीतिक भोज या लाल कालीन पर नहीं। देखा जाये तो भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंध शुरू से ही जटिल रहे हैं। यह 1949 से कभी गहरे मतभेदों तो कभी सीमित सामंजस्य के उतार–चढ़ाव से गुज़रे हैं। पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ से शुरू हुई कठिनाइयों के बाद अब विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ भारत और चीन, अपने संबंधों को पटरी पर लाने के इच्छुक दिख रही हैं। कज़ान (रूस) में पिछले वर्ष आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी जिसे तिआनजिन में आगे बढ़ाया गया है। देखा जाये तो भारत हमेशा से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की 'मेरा कहना मानो वरना टैरिफ झेलो' वाली नीतियों ने इस सिद्धांत की सबसे बड़ी परीक्षा ली। मोदी ने न ट्रंप की 'नोबेल पुरस्कार' वाली हठधर्मिता को महत्व दिया, न ही उनकी टीम की उकसावे भरी बातों पर प्रतिक्रिया दी। भारत ने रूसी तेल खरीदने का निर्णय भी जारी रखा और पीछे नहीं हटा। तिआनजिन में शी जिनपिंग के साथ बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही था कि भारत अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेगा और किसी तीसरे देश की इच्छा से प्रभावित नहीं होगा। हम आपको यह भी बता दें कि चीन की 'वुल्फ वॉरियर डिप्लोमेसी' अब नरम पड़ती दिखाई दे रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे– चीन की धीमी होती अर्थव्यवस्था, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की समस्याएँ और बढ़ती युवा बेरोज़गारी, जिसने 'नकली काम' करने वाली कंपनियों तक को जन्म दिया है। हालाँकि, चीनी राजनीति में फिर से अतिराष्ट्रवाद लौट सकता है। भारत इस संभावना को समझता है और इसी कारण एलएसी पर अपनी रक्षा क्षमता मज़बूत करते हुए चीन के साथ रिश्तों को नए सिरे से संतुलित कर रहा है। देखा जाये तो ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक व्यापार के नियम बदल दिए हैं। ऐसे में भारत को नए बाज़ारों की तलाश है। नई दिल्ली चाहती है कि बीजिंग भारतीय निर्यात को निष्पक्ष पहुँच दे। यह सच है कि इससे अमेरिका के बाज़ार में हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होगी, लेकिन व्यापार असंतुलन को चीनी निवेश से संतुलित किया जा सकता है। यदि चीन भारतीय उद्योग के लिए रेयर अर्थ मैग्नेट जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की आपूर्ति फिर शुरू करता है, तो भारत दूरसंचार, रक्षा, सेमीकंडक्टर और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों जैसी निगेटिव लिस्ट को छोड़कर बाकी क्षेत्रों में धीरे–धीरे चीनी एफडीआई की अनुमति दे सकता है। दूसरी ओर, ट्रंप–युग की उथल–पुथल में चीन को भी आर्थिक अवसरों की ज़रूरत है। ऐसे में वह भारत के करीब आना चाह रहा है लेकिन भारत के लिए आगे बढ़ने के दौरान सतर्कता बरतना भी जरूरी है। वैसे कुल मिलाकर देखें तो तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (ब्) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भेंट ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के गलियारों में गहरी हलचल पैदा कर दी है। यह सिर्फ दो पड़ोसी देशों के बीच एक औपचारिक मुलाक़ात नहीं थी, बल्कि वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच एक महत्वपूर्ण संकेत भी थी। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत की विदेश नीति किसी तीसरे देश की नज़र से नहीं देखी जानी चाहिए। मोदी ने स्पष्ट कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता रिश्तों के लिए बीमा पॉलिसी जैसी है। दोनों पक्षों ने पिछले साल की सफल डिसएंगेजमेंट प्रक्रिया पर संतोष जताया और सीमा विवाद का "न्यायपूर्ण, तर्कसंगत और स्वीकार्य समाधान" निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई। हालाँकि, चीनी बयान ने पंचशील सिद्धांतों का हवाला देते हुए यह कहा कि सीमा विवाद पूरे रिश्तों को परिभाषित नहीं करना चाहिए। यह भारतीय दृष्टिकोण से थोड़ा भिन्न था। हम आपको बता दें कि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि भारत–चीन निकटता से भारत–अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं। परंतु यह दृष्टिकोण सतही है क्योंकि भारत कोई लेन–देन वाली शक्ति नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत शक्ति है जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से संबंध बनाती है। लोकतांत्रिक मूल्य, बहुलतावादी समाज और मुक्त हिंद–प्रशांत के साझा हित भारत–अमेरिका साझेदारी की नींव हैं। यह साझेदारी अस्थायी मतभेदों को झेल सकती है।

ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत बनता कृषि क्षेत्र

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ट्रंप के टैरिफ वार के दौरान ही 2025 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के परिणाम इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते है कि ट्रंप द्वारा हमारी अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था करार देने के बावजूद चीन से भी हमारी जीडीपी विकास दर अधिक रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एनएसओ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले एक साल यानी कि अप्रैल–जून 2024, जुलाई–सितंबर 2024, अक्टूबर–दिसंबर 2024 और जनवरी–मार्च 2025 की तुलना में भी अधिक है। सबसे खासबात यह है कि जीडीपी में बढ़ोतरी का श्रेय कृषि और सर्विस सेक्टर को जा रहा है। कृषि सेक्टर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अर्थ व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है और तेजी से विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रुप से इसका श्रेय अन्नदाता को तो जाता ही है इसके साथ ही सरकार की किसानोन्मुखी और कृषिनोन्मुखी नीति को भी जाता है। कृषि और संबंध क्षेत्र जिसमें कृषि के साथ ही पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन शामिल है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का 14 प्रतिशत योगदान है तो प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रुप से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आजीविका एग्रीकल्चर सेक्टर पर आज भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने में कृषि क्षेत्र भी पीछे नहीं रहने वाला है। देश में करीब 51 प्रतिशत यानी कि 159 मिलियन हैक्टेयर भूमि में खेती हो रही है। इसमें से 50 प्रतिशत से कुछ अधिक भूमि ही सिंचित है जबकि बहुत बड़ा क्षेत्र मानसून की मेहरबानी पर निर्भर है। यह एक सकारात्मकता है कि इस साल अभी तक मानसूनी बरसात औसत से अधिक और अच्छी बरसात हुई है। पिछले सालों में भी मानसून अनुकूल रहने से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। कृषि और अन्नदाता की महत्ता को कोरोना काल ने बेहतर तरीके से समझा दिया है। कोरोना काल में कृषि सेक्टर ने दो तरह से सहभागिता निभाई। एक तो जहां सब कुछ लॉक डाउन की भेंट चढ़ रहा था यहां तक कि घर में कैद होकर रह गए थे तब भी कृषि सेक्टर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहा वहीं दूसरी और अन्नदाता की मेहनत से देश के गोदामों में भरे खाद्यान्नों के भण्डारों ने देश में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाये रखी। आज भी करीब 80 करोड़ देशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अपने आप में बड़ी बात है। योजनाबद्ध तरीके से एक और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं खासतौर से दलहन–तिलहन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी है। किसान सम्मान निधि किसानों के लिए बड़ा सहारा बनती जा रही हैं वहीं ब्याजमुक्त कृषि ऋण, केसीसी का बढ़ता दायरा और ई नाम मण्डी, प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा, स्टोरेज सुविधा बढ़ाने के साथ ही समय पर खाद–बीज आदि की उपलब्धता का प्रभाव सामने हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र की जीडीपी में भागीदारी 3.7 प्रतिशत रही है जबकि साल भर पहले यह 1.5 थी। ऐसे में यह अपने आप में आशा का संचार है। निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। हो सकता है कि आने वाली तिमाही में ट्रंप टैरिफ का असर दिखाई दे पर जिस तरह से सरकार द्वारा वैकल्पिक प्रयास आरंभ किये जा रहे हैं उससे लगता है कि अर्थ व्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं होगा या होगा भी तो देश इससे निपटने को तैयार है। 50 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती को आज समूचा देश निपटने को तैयार है। हालांकि ट्रंप ने सोचा था कि हम सरेण्डर कर देंगे, डर जाएंगे पर अब गीदड़ भभकी बेअसर होती देखकर ट्रंप की खीज अवश्य बढ़ने लगी है। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप को अपने देश में ही अपनी तुगलकी नीति के कारण देर सवेर मुंह की खानी पड़ेगी। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ निर्णय को अनुचित करार दे दिया है। आने वाले दिनों में इसके प्रभाव अमेरिका में और अधिक दिखाई देंगे क्योंकि हम और हमारी सरकार ट्रंप की चुनौती से निपटने के लिए मानसिक रुप से तैयार हो चुकी है। खैर यह विषयांतर होगा। कहने का अर्थ है कि यह और आने वाले साल भी खेती–किसानी के लिए सकारात्मक ही होंगी। रबी के अच्छे परिणाम आये हैं। चालू खरीफ में अच्छे मानसून के चलते अच्छी बुवाई हुई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। सरकार भी बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि यह कटु सत्य है कि ग्रामीण रहवासियों की आजीविका का प्रमुख माध्यम खेती ही है तो समूचे देश की खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इसी क्षेत्र के पास है। अमेरिकी नीति के कारण निर्यात पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर पूर्ति करने की बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही खेती किसानी की अपनी चुनौतियां बरकरार है। आज भी कुल कृषि उत्पादन का 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन फसलोत्तर सुविधाओं की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। कृषि जोत कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण का प्रभाव भी पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज, परिवहन की कोल्ड चेन और भण्डारण की बेहतर व्यवस्थाओं की दरकार है। कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र और फूड पार्क जिस तरह से आकार लेने चाहिए थे वे ले नहीं पाये है। बीमा क्षेत्र में भी बहुत किया जाना अपेक्षित है तो कृषि उपज की खरीद व्यवस्था और एमएसपी खरीद को लेकर भी तेजी से काम किया जाना है। सरकार को एक बात समझनी चाहिए कि खेती क्षेत्र में जो भी सब्सिडी देय है उसे उत्पादकता से जोड़ा जाये यथा कृषि इनपुट या यों कहे कि खाद–बीज, कीटनाशक आदि के किट के रुप में उपलब्ध कराया जाये तो उसका लाभ अनुदानित राशि के स्थान पर इनपुट मिलने से उसका उपयोग खेती किसानी में ही होने से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में ही होगा।

अनुराग कश्यप की निशानची का म्यूजिक एल्बम हुआ लॉन्च

> अनुराग कश्यप द्वारा डायरेक्टेड फिल्म निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से बनाया गया है। इस फिल्म के साथ ऐश्वर्य ठाकरे अपने एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म में वो हाई-ऑक्टेन डबल रोल में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही फिल्म में उनके साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में नजर आने वाली हैं, जिसके साथ मोनिका पांवर, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे।

निशानची का म्यूजिक एल्बम कई टैलेंटेड आर्टिस्ट्स के साथ बनाया गया है। इसमें म्यूजिक दिए हैं अनुराग साइकिया, मनन भारद्वाज, ध्रुव घानेकर, ऐश्वर्य ठाकरे और निशिकर छिब्बर ने। गानों को अपनी आवाज से सजाया है अरिजीत सिंह, मधुबंती बागची, ऐश्वर्य ठाकरे और कई और सिंगर्स ने। वहीं इसके बोल प्यारे लाल यादव, मनन भारद्वाज, शश्वत द्विवेदी और दूसरे गीतकारों ने लिखे हैं। अनुराग कश्यप द्वारा डायरेक्टेड फिल्म निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फिलप फिल्म्स के सहयोग से बनाया गया है। इस फिल्म के साथ ऐश्वर्य ठाकरे अपने एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म में वो हाई–ऑक्टेन डबल रोल में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही फिल्म में उनके साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में नजर आने वाली हैं, जिसके साथ मोनिका पांवर, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। निशानची भारत भर में इस 19 सितंबर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया और जी म्यूजिक कंपनी ने आज अनुराग कश्यप डायरेक्टेड सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म निशानची का ऑफिशियल म्यूजिक एल्बम लॉन्च कर दिया है। बता दें कि इस म्यूजिक एल्बम में कुल 15 ओरिजिनल गाने शामिल हैं, जो जोश से भरे ट्रैक से लेकर प्यार, बगावत और गहरी भावनाओं को छूने वाले हैं। यह एल्बम फिल्म के बेबाक और बिंदास अंदाज को दिखाता है, जिसमें हर मूड और हर पल के लिए एक गाना मौजूद है। निशानची का साउंडट्रैक मशहूर और उभरते म्यूजिकल टैलेंट्स का एक अनोखा संगम है। इसमें अनुराग सैकिया, मनन भारद्वाज, ध्रुव घाणेकर, ऐश्वर्य ठाकरे और निशीकर छिब्बर की कंपोजिशन्स शामिल हैं। वहीं इसके खूबसूरत और चुलबुले बोल शश्वत द्विवेदी, मनन भारद्वाज, डॉ. सागर, ऐश्वर्य ठाकरे, प्यारे लाल यादव, वरुण ग्रोवर और रेनू छिब्बर ने लिखे हैं। इस डाइवर्स एल्बम को आवाज दी है अरिजीत सिंह, मधुबंती बागची, मनन भारद्वाज, प्राजक्ता शुकरे, हिमानी कपूर, भूपेश सिंह, राहुल यादव, विजय लाल यादव, ऐश्वर्य ठाकरे, उपेंद्र यादव, श्रेया सुंदररमन, सुकन्या दास, देवेंद्र कुमार, वंदना सिन्हा, कल्पना पटोवारी, अलाया घाणेकर और अमाला घाणेकर ने। कहना होगा कि हर गायक ने अपने गानों में जान लगाने के साथ अपना खास अंदाज भी जोड़ा है। निशांची का म्यूजिक एल्बम सिर्फ एक साउंडट्रैक नहीं है बल्कि ये फिल्म की धड़कन है। बोल्ड, रॉ और बिंदास अंदाज में ये खुद एक किरदार की तरह जिंदा है, जो शहर और उसके लोगों की रूह को दर्शाता है। 'सरम लागेला' की थुमका वाली एनर्जी से लेकर अरिजीत सिंह के गाए मधुर 'बिरवा' तक, मिट्टी की खुशबू लिए 'पिजन कबूतर' और लोकसंगीत से सजे 'झूले झूले पालना' जैसा हर गाना अपनी अलग पहचान रखता है और मिलकर एक दमदार म्यूजिकल कहानी बुनता है। वहीं, पहले रिलीज हुए 'नींद भी तेरी' जैसे दिल छू लेने वाले ट्रैक और देसी अंदाज में गाया गया 'डियर कंट्री' पहले ही सुनने वालों के दिल में जगह बना चुके हैं। ऐसे में ये पूरा एल्बम एक यादगार म्यूजिकल एक्सपीरियंस देने का वादा करता है।अरिजीत सिंह ने अपना अनुभव बताते हुए कहा, "बिरवा ऐसा गाना है जो दिल में रह जाता है। मेरे लिए इसे गाना उस एहसास को जीने जैसा था, और वही सच्चाई लिस्नर्स तक भी पहुँचती है।"ऐसे में, निशानची के म्यूजिक कंपोजर्स में से एक अनुराग सैकिया ने कहा है कि, "निशानची के लिए म्यूजिक बनाना मेरे लिए बहुत खास सफर रहा। हर गाने की अपनी दुनिया है, लेकिन सब एक ही कहानी से जुड़े हैं। फिल्म देखो एक एक्सपेरिमेंट से बना था, शश्वत द्विवेदी और मधुबंती बागची के साथ के साथ बिना रोक–टोक वाला जैम हुआ। ये फिल्म से इतना सही जुड़ा हुआ लगा कि ये अपने आप टाइटल ट्रैक बन गया, जैसे ऑडियंस को सिनेमा के जादू में कदम रखने का इन्विटेशन हो। दूसरी ओर, बिरवा उससे बिल्कुल अलग है यानी जमीन से जुड़ा और दिल से बिल्कुल करीब।डॉ. सागर द्वारा इतने दमदार तरीके से लिखे गए गाने को जब अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से सजाया तो वो और भी खास हो गया। हमने कई दिन सिर्फ यही ढूंढने में लगाए कि गाने का सही टोन क्या होना चाहिए, कभी जल्दीबाजी नहीं की, क्योंकि मकसद सिर्फ "एक गाना बनाना" नहीं था, बल्कि कुछ ऐसा बनाना था जो लोगों के साथ रह जाए। और अनुराग कश्यप के साथ ब्रीफ तो इतना कमाल का था, जैसे "दिल जो कहे वही करो।" ऐसी आजादी बहुत कम मिलती है, और ये आपको अपना सौ प्रतिशत देने के लिए मजबूर करती है। अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फिलप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। लंबे समय से इंतजार की जा रही इस थियेट्रिकल रिलीज में डेब्यू कर रहे ऐश्वर्य ठाकरे डबल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिग बॉसः कुनिका सदानंद से छीनी गई कैप्टेंसी, अश्नूर कौर को मिली इम्युनिटी

बिग बॉस 19 के घर ने इस हफ्ते का पहला बड़ा ट्विस्ट देखा, जब ड्रामेटिक असेंबली रूम सेशन के दौरान घर का माहौल गरमा गया। सीजन की पहली कैप्टन कुनिका की किस्मत उस समय वोट पर टिकी, जब बिग बॉस ने घरवालों से पूछा क्या कुनिका इस हफ्ते नॉमिनेशन लिस्ट से सेफ रहने की हकदार हैं? घरवालों के जबरदस्त फैसले में 12 कंटेस्टेंट्स ने उनके खिलाफ वोट दिया। इसके बाद बिग बॉस ने घोषणा की कि कुनिका से कैप्टेंसी छीन ली गई है, उन्हें इस हफ्ते कोई इम्युनिटी नहीं मिलेगी और अब वे घरवालों द्वारा नॉमिनेट की जा सकती हैं। नतीजे का ऐलान करते हुए बिग बॉस ने कहा श्घरवाले कुनिका को कैप्टन नहीं मानते, इसलिए उन्हें इम्युनिटी भी नहीं मिलनी चाहिए। घर की पहली कैप्टन पूरी तरह फेल हो गई हैं। अब कोई कैप्टन नहीं होगा और घर को मिलकर घरवाले ही संभालेंगे। इसके बाद फोकस इस बात पर शिफ्ट हुआ कि कंटेस्टेंट्स में से किसे इम्युनिटी दी जाए। काफी चर्चा के बाद अश्नूर और अभिषेक दो दावेदार बनकर सामने आए। अंततः बहुमत का वोट अश्नूर के पक्ष में गया और उन्हें इस हफ्ते के नॉमिनेशन से सेफ्टी मिल गई। कुनिका की अथॉरिटी खत्म होने और अश्नूर को प्रोटेक्शन मिलने के साथ ही घर का पावर बैलेंस पूरी तरह बदल गया है। अब आने वाले दिनों में नई दोस्तियां, गरमागरम दुश्मनी और अनपेक्षित ड्रामा देखने को मिलेगा।

सनी देओल और बॉबी ने मॉम प्रकाश कौर के बर्थडे पर लुटाया प्यार, मां–बेटों की बॉन्डिंग देख कलेजे को पड़ जाएगी ठंडक

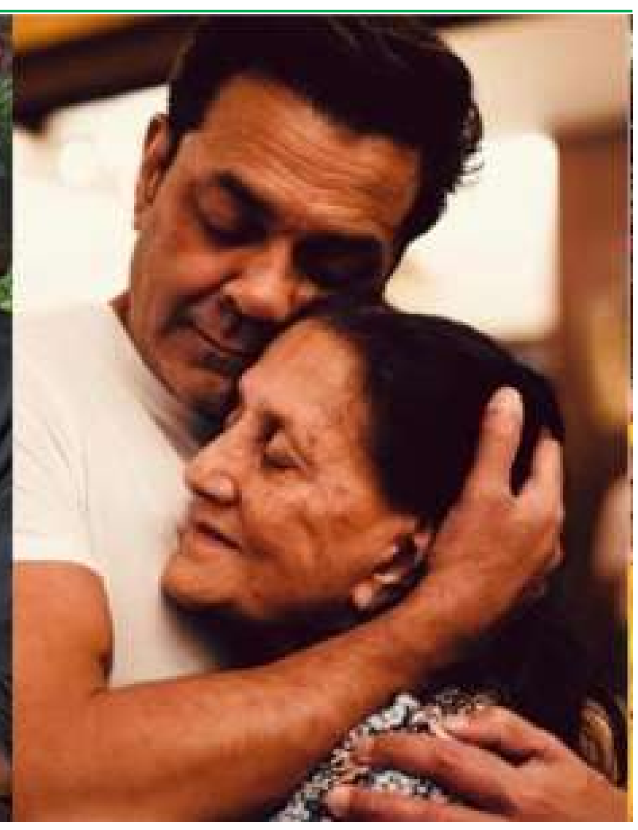

बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर उनके दोनों बेटे सनी देओल और बॉबी देओल ने अपनी मां को प्यार भरे अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। मां के लिए किए एक्टर्स के ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मां प्रकाश कौर के साथ दो तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में सनी अपनी मां के साथ भावुक पल बिताते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में सनी ने लिखा हैप्पी बर्थडे मम्मा, लव यू वहीं, बॉबी देओल ने भी इंस्टाग्राम पर मां के साथ दो तस्वीरें पोस्ट कीं। एक तस्वीर में बॉबी और उनकी मां साथ में हैं, जबकि दूसरी फोटो में सनी, बॉबी और उनकी मां तीनों साथ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में बॉबी ने लिखा लव यू मां, हैप्पी बर्थडे इन तस्वीरों में मां–बेटों का गहरा प्यार और जुड़ाव साफ दिखाई दे रहा है। बता दें, धर्मेंद्र ने साल 1954 में प्रकाश कौर से पंजाबी रीति–रिवाजों के अनुसार शादी की थी। उस समय प्रकाश की उम्र केवल 19 साल थी। ये एक अरेंज मैरिज थी। इस शादी से उन्होंने चार बच्चों सनी देओल, बॉबी देओल, अजेता और विजेता का स्वागत किया। शादी के लगभग 26 साल बाद, धर्मेंद्र ने हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। उस समय यह खबर बहुत चर्चा में रही। हालांकि, इस फैसले से प्रकाश कौर और उनके बच्चों को गहरा झटका लगा था, फिर भी प्रकाश कौर ने धर्मेंद्र से तलाक नहीं लिया। उस दौर में समाज में तलाक को अच्छा नहीं माना जाता था, इसलिए प्रकाश कौर के इस फैसले पर कई सवाल भी उठे थे।

हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई लाइफ का पहला नेशनल अवॉर्ड पाकर खुशी से झूमे शाहरुख–रानी

रोमांस किंग शाहरुख खान को फिल्म श्जवानश के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। शाहरुख खान का ये पहला नेशनल अवॉर्ड हैं। वहीं एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को भी फिल्म श्मिसेज चटर्जीश के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला है। नेशनल अवॉर्ड पाकर दोनों ही एक्टर बहुत खुश हैं। अब दोनों ने साथ में इस खुशी को शेयर किया। उन्होंने डांस करते हुए अपनी खुशी एंजॉय की। इस वीडियो में शाहरुख खान ने बेटे आर्यन की फिल्म द बेड्स ऑफ बॉलीवुड के गाने तू पहली तू आखिरी को प्रमोट किया।

वीडियो में शाहरुख खान को ब्लू टीशर्ट, डेनिम जींस और कैप लगाए दिखे। वहीं रानी मुखर्जी भी व्हाइट शर्ट और जींस में दिखीं। उन्होंने अपने लुक को कैजुअल रखा।शाहरुख खान ने पोस्ट कर लिखा– नेशनल अवॉर्ड... हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी। आप क्वीन हैं और आपसे हमेशा प्यार है। शाहरुख खान और रानी मुखर्जी ने साथ में फिल्म कुछ कुछ होता है में काम किया है। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी। इसके अलावा दोनों कभी अलविदा ना कहना, चलते चलते, कल हो ना हो जैसी फिल्मों में भी साथ दिखे।

कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन बीवी पर दिनदहाड़े हुआ हमला, बुरी तरह डरी एक्ट्रेस

द कपिल शर्मा शो में अपने समय के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने हाल ही में एक परेशान करने वाली घटना साझा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया कि 31 अगस्त को दक्षिण मुंबई में मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने दिनदहाड़े उनकी कार पर हमला किया। उनका कहना है कि मुंबई में पहली बार, उन्होंने असुरक्षित महसूस किया, जिससे वह बहुत परेशान थीं। सुमोना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा नोट लिखा जिसमें उन्होंने उस घटना का वर्णन किया जिससे वह असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि एक आदमी ने उनके बोनट पर धक्का मारा जबकि अन्य ने कार की खिड़कियों पर हाथ मारा। द कपिल शर्मा शो की अभिनेत्री ने फिर मुंबई की कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाया। वो इस पूरे वाकया का एक वीडियो भी रिकॉर्ड करना चाहती थीं, लेकिन उन्हें डर था कि कहीं वहां मौजूद प्रदर्शनकारी और ज्यादा ना भड़क उठें। सुमोना ने अपने पोस्ट में लिखा– आज दोपहर के 12.30 बजे, मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी और अचानक मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर–जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपना निकला हुआ पेट मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने ऐसे झूम रहा था जैसे कोई बेतुकी बात साबित कर रहा हो। उसके दोस्त मेरी खिड़कियों पर जोर–जोर से पीट रहे थे, जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वही सब दोहराया। सुमोना चक्रवर्ती ने आगे लिखा– मुंबई का मेरा सफर मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है, खासकर मैं साउथ मुंबई में खुद को हमेशा से महफूज महसूस करती आई थी. लेकिन आज, दिन–दहाड़े अपनी गाड़ी में बैठे–बैठे, पहली बार डर का एहसास हुआ, एकदम असुरक्षित महसूस किया, बिल्कुल कमजोर.श । उन्होंने कहा कि वह लकी फील कर रही हैं कि उनके पास उस वक्त एक मेल फ्रेंड मौजूद था।

हेयरस्टाइल के लिए महंगी एक्सेसरीज क्यों, घर की ज्वेलरी से पाएं नया ग्लैमरस लुक

क्या आप जानती हैं कि आप हेयरस्टाइल में झुमके या मांग टीका जैसी ज्वैलरी को कैरी कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी ही ज्वैलरी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप अपनी हेयरस्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

जब भी खुद को स्टाइल करने की बात आती है, तो हम सभी अपने एक्सेसरीज और आउटफिट पर अधिक फोकस रहते हैं। लेकिन एक्सेसरीज और आउटफिट के साथ हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखता है। लड़कियां तरह–तरह के हेयरस्टाइल करना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप हेयर स्टाइल को एक नया ट्विस्ट देना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप अपनी ज्वेलरी को अपने लुक का हिस्सा बना सकती हैं। ऐसा करने से आपका पूरा लुक ग्लैमरस नजर आएगा।

अभी तक हम सभी हेयर पिन से लेकर क्लचर या रबर बैंड का इस्तेमाल हेयरस्टाइल में करते आए हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि आप हेयरस्टाइल में झुमके या मांग टीका जैसी ज्वैलरी को कैरी कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी ही ज्वैलरी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप अपनी हेयरस्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

बन पिन की तरह कैरी करें झुमका

अगर कान का एक झुमका खो गया है, तो आपके परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप इसकी मदद से अपने हेयर स्टाइल को एक न्यू लुक दे सकती हैं। आप झुमके को बन पिन की तरह भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप किसी पार्टी या फिर फंक्शन में जा रही हैं, तो आप बन बनाकर झुमके का हुक अंदर की तरफ फंसा लें। इस तरह से आपके हेयर स्टाइल को नया ट्विस्ट मिल जाएगा।

हेयर चेन की तरह कैरी करें चेन इयररिंग्स

अगर आपके पास चेन इयररिंग्स हैं, तो आप इसको अपने हेयर स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। ओपन वेव्स लुक या फिर साइड ब्रेड हेयरस्टाइल के साथ चेन इयररिंग्स काफी अच्छी लगेगी। जब आप साइड से चेन वाले इयररिंग्स को पिन करती हैं तो इससे हेयर चेन जैसा लुक आएगा।

ऐसे पहनें मांग टीका

हम सभी बालों के बीच मांग निकालकर मांगटीका को पहनते हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि आप हर इसी तरह पहनें। आप इसको साइड पार्टिंग में क्लिप की तरह भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप एथनिक आउटफिट कैरी कर रही हैं और उसके साथ मैसी बन हेयर स्टाइल बनाएं, फिर उसके ऊपर मांगटीका लगाएं।

हेयर बैंड की तरह लगाएं चोकर

अब हम सभी इंडियन से लेकर इंडो–वेस्टर्न आउटफिट के साथ चोकर को स्टाइल करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि चोकर एक बेस्ट हेयर एक्सेसरीज भी साबित हो सकती है। आप चोकर नेकपीस को बतौर हेयरबैंड की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपकी स्लीक पोनीटेल या फिर ओपन कर्ल्स हेयर लुक रखें। फिर उसके साथ चोकर को हेयरबैंड की तरह पहनें। अगर आपने इंडो वेस्टर्न आउटफिट पहना है, तो उसके साथ यह आपको काफी अच्छा लुक देगा।

क्या आप जानते हैं आपके शरीर में हैं दो हार्ट ? एक कमजोर हुआ तो दूसरे पर भी पड़ेगा असर

हम सभी जानते हैं कि दिल (हार्ट) हमारे शरीर की धड़कन और रक्त संचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंग है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके शरीर में एक और दूसरा हार्ट भी होता है? यह दिल की तरह काम नहीं करता, लेकिन आपके स्वास्थ्य के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। इसे काफ मसल्स कहा जाता है, यानी आपकी पिंडलियों की मांसपेशियां।

काफ मसल्स क्यों हैं दूसरा हार्ट?

जब आपका मुख्य दिल रक्त को शरीर में पंप करता है, तो पिंडलियों की मांसपेशियां भी रक्त को ऊपर की ओर, दिल की तरफ लौटाने में मदद करती हैं। अगर काफ मसल्स कमजोर हों, तो रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है, जिससे पैरों में सूजन, ब्लड प्रेशर की समस्या और दिल पर अतिरिक्त दबाव बढ़ सकता है। लंबे समय तक यह हार्ट फेलियर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। मशहूर कार्डियोलॉजिस्ट बताते हैं कि पिंडलियों की मांसपेशियों की ताकत बनाए रखना दिल और पूरे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अगर ये मसल्स मजबूत हों, तो रक्त संचार सही रहता है और ब्लड क्लॉट बनने का खतरा कम होता है। काफ मसल्स को मजबूत करने के कुछ आसान तरीके।

1. खड़े होकर कैफ रेज

खड़े होकर कैफ रेज करने के लिए किसी स्टेप या ब्लॉक के पास खड़े हो जाएं। अपने पैरों के आगे के हिस्से को ब्लॉक के किनारे पर टिकाएं और धीरे–धीरे एड़ियों को जितना ऊंचा हो सके उठाएं, पिंडलियों को कसें। फिर धीरे–धीरे एड़ियों को नीचे लाकर वापस प्रारंभिक स्थिति में लौटें। इसे नियमित रूप से करने से पिंडलियों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त संचार बेहतर होता है।

2. बैठकर कैफ रेज,सोलियस पुशअप्स

बैठकर कैफ रेज करने के लिए आराम से बैठ जाएं और दोनों पैरों के अगले हिस्से को जमीन पर टिकाएं। फिर एड़ियों को धीरे–धीरे ऊपर उठाएं, कुछ सेकंड के लिए रोकें और फिर धीरे–धीरे नीचे लाकर प्रारंभिक स्थिति में लौटें। इसे नियमित रूप से करने से पिंडलियों की मांसपेशियां मजबूत रहती हैं और रक्त का प्रवाह सही बना रहता है, जिससे दिल पर दबाव भी कम होता है।

रोजमर्रा की आदतें जो पिंडलियों को मजबूत बनाती हैं

पिंडलियों को मजबूत बनाने के लिए रोजमर्रा की छोटी–छोटी आदतें बहुत प्रभावी होती हैं। रोज थोड़ा–थोड़ा चलना, ऑफिस में बैठे–बैठे एड़ी उठाना, सीढ़ियां चढ़ना और छोटे–छोटे व्यायाम करना इसके आसान तरीके हैं। आप डेस्क पर बैठकर भी कैफ रेज कर सकते हैं। इन आदतों को नियमित रूप से अपनाने से न केवल रक्त संचार बेहतर होता है, बल्कि दिल पर दबाव कम रहता है और गंभीर बीमारियों से भी बचाव संभव होता है। आपका मुख्य दिल और काफ मसल्स एक–दूसरे के पूरक हैं। अगर एक कमजोर होता है, तो दूसरा भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए दिल को स्वस्थ रखने के लिए सिर्फ कार्डियो एक्सरसाइज ही नहीं, बल्कि पिंडलियों की मांसपेशियों को मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है। रोजाना थोड़ा चलना–फिरना, सरल एक्सरसाइज और कैफ रेज को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और अपने दोनों हार्ट को स्वस्थ रखें।

किडनी में जमा सारा यूरिक एसिड बाहर निकालकर पूरी तरह साफ कर देगा यह देसी नुस्खा

यूरिक एसिड एक ऐसा अपशिष्ट पदार्थ है जो शरीर में प्यूरीन वाले खाद्य पदार्थों के पचने के बाद बनता है। अगर यह यूरिक एसिड शरीर से बाहर नहीं निकल पाया तो यह गुर्दे में पथरी बनने का कारण बन सकता है और गठिया जैसी गंभीर बीमारियों को भी जन्म दे सकता है। इस वजह से शरीर से यूरिक एसिड को नियमित रूप से बाहर निकालना बेहद जरूरी होता है।

कुछ खास खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं जो यूरिक एसिड को कम करने में मदद करते हैं और किडनी की सेहत को बेहतर बनाते हैं। आइए जानते हैं वे 5 खास चीजें जो आपको जरूर खाने या पीने चाहिए

लौकी का जूस

लौकी का जूस पाचन के लिए फायदेमंद होता है और यूरिक एसिड को तेजी से कम करने में मदद करता है। यदि आपको यूरिक एसिड की समस्या है तो रोजाना लौकी का ताजा जूस पीना लाभकारी रहेगा।

खीरा

खीरे में प्यूरीन की मात्रा कम और पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे यह शरीर से अतिरिक्त यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है। रोज खीरे का सलाद या खीरे का जूस पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा।

विटामिन सी युक्त फल

संतरा, नींबू, अमरूद, बेरीज और आंवला जैसे विटामिन सी से भरपूर फल यूरिक एसिड को कम करने में मदद करते हैं। ये फल न केवल यूरिक एसिड को घटाते हैं, बल्कि आपकी त्वचा, बाल और इम्यून सिस्टम के लिए भी अच्छे होते हैं।

जौ

जौ एक ऐसा अनाज है जो आसानी से पच जाता है और यूरिक एसिड को नियंत्रित करने में मदद करता है। जौ का आटा, सत्तू, दलिया या जौ का पानी पीने से किडनी स्टोन और गठिया का खतरा कम होता है और वजन भी नियंत्रित रहता है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

दिन भर में कम से कम 2.5 से 3 लीटर पानी पीना चाहिए। पानी शरीर में जमा यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए बाहर निकालने में मदद करता है और किडनी को स्वस्थ रखता है।

ध्यान रखें: यह नुस्खा और सलाह इंस्टाग्राम पर प्रकाशित एक वीडियो से ली गई जानकारी पर आधारित है। किसी भी घरेलू नुस्खे या इलाज को अपनाने से पहले किसी चिकित्सक या विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें। यूरिक एसिड की अधिकता किडनी में पथरी और गठिया जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। रोजाना लौकी का जूस, खीरा, विटामिन सी वाले फल, जौ और पर्याप्त पानी पीकर इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

बिना पार्लर जाए चेहरे पर आएगा गजब का निखार, ऐसे बनाएं टमाटर स्क्रब फेशियल

आजकल की व्यस्त जिंदगी में किसी के पास पार्लर जाने का समय नहीं होता है, लेकिन लोगों को इंस्टेंट ग्लो भी चाहिए होता है। कई बार ऐसा होता है कि हमें अचानक से कहीं किसी फंक्शन में जाना होता है तो स्किन का ग्लो खत्म हो जाता है। वहीं कई बार बाहर जाने का भी मन नहीं करता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप बिना पार्लर जाए चेहरे पर चमक लाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको टमाटर के स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको लगाकर आप अपनी स्किन को पार्टी में जाने से पहले ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं।

टमाटर का स्क्रब फेशियल

टमाटर स्क्रब फेशियल बनाना बहुत आसान है। इसको बनाने के लिए आपको अधिक चीजों की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए सबसे पहले दो देसी टमाटर की प्यूरी बना लें। फिर कपड़े की मदद से इस पेस्ट को छान लें। फिर इस रस में एक चम्मच आटे का चोकर और एक चम्मच मैदा मिलाएं। इन तीनों चीजों से आपका स्क्रब बनकर तैयार हो जाएगा।

ऐसे करें स्क्रब फेशियल

मसाज फेशियल का दूसरा स्टेप होता है। इसके लिए टमाटर की प्यूरी लें और फिर इसमें 1 चम्मच एलोवेरा जेल, 1 चम्मच हंग कर्ड और 1 चम्मच मिल्क पाउडर मिलाएं। इन सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें और फिर फेस पर लगाएं। ऊपर की ओर आउटवर्ड डायरेक्शन में मसाज करें। फिर आखिरी में 15 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरे को वॉश कर लें।

इंग्रीडिएंट्स के लाभ

टमाटर हमारे चेहरे से टैनिंग को हटाने का काम करता है और ग्लो लाता है। साथ ही यह पोर्स को भी टाइट करता है।

वहीं आटे का चोकर एक नेचुरल एक्सफोलिएटर है, यह स्किन को साफ और मुलायत बनाता है।

हंग कर्ड स्किन को नमी और ठंडक देने का काम करता है।

एलोवेरा जेल हमारी स्किन को हाइड्रेट करता है और यह जलन और मुंहासों से भी राहत दिलाता है।

मिल्क पाउडर एक नेचुरल ब्लीच की तरह काम करता है और स्किन टोन को भी बेहतर बनाता है।

संक्षिप्त

सेबी ने इंडेक्स ऑप्शंस में इंट्राडे पोजीशन की निगरानी के लिए नए ढांचे का किया एलान

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने इक्विटी इंडेक्स डेरिवेटिव्स में इंट्राडे पोजीशन की निगरानी के लिए एक नया ढांचा बनाने का एलान किया है। इसका मकसद बाजार से जुड़े जोखिमों को रोकना है।भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि नए ढांचे के तहत इंडेक्स ऑप्शंस में प्रति इकाई शुद्ध इंट्राडे पोजिशन की सीमा 5,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। पहले यह सीमा 1,500 करोड़ रुपये थी। सकल इंट्राडे पोजीशन को मौजूद समय के अनुसार 10,000 करोड़ रुपये ही रखा गया है। नियामक ने बताया है कि यह नियम यह लॉन्ग और शॉर्ट पोजीशन पर अलग–अलग लागू होगा। सेबी का नया ढांचा एक 1 अक्तूबर से प्रभावी होगा और सभी व्यापारिक दिनों में बाजार की गतिविधि को आसान बनाएगा। इससे एक्सपायरी के दिन बड़े पैमाने पर इंट्राडे पोजिशन लेने पर रोक लग सकेगी। सेबी के अनुसार नया नियम बाजार के बारे में पूर्वानुमान लगाने, परिचालन को स्पष्ट करने में मददगार होगा। सेबी के अनुसार नया ढांचा ट्रेडिंग को आसान बनाने और जोखिम प्रबंधन के बीच उचित संतुलन बनाएगा। यह ढांचा केवल इंडेक्स ऑपशंस तक ही सीमित रहेगा। सेबी का नया नियम कारोबारी दिन के दौरान व्यक्तिगत संस्थाओं की ओर से लिए जाने वाले ट्रेडिंग पोजीशन पर नजर रखेगा। इससे अत्यधिक जोखिम लेने से बचने और बाजार में व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। सेबी ने यह पाया कि समाप्ति के दिनों में सूचकांक विकल्पों में कुछ संस्थाओं की ओर से बड़े इंट्राडे फ्यूचर इक्विवेलेंट (थ्नजम्) या डेल्टा इक्विवेलेंट पोजीशन बनाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे बाजार में अस्थिरता और बाजार की अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। इसे देखते हुए नए नए नियम बनाए गए हैं। यह कदम सेबी की ओर से अमेरिकी हेज फंड जेन स्ट्रीट पर भारतीय प्रतिभूति बाजार से अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगाने के बाद उठाया गया है। सेबी ने पाया कि जेन स्ट्रीट नकदी और वायदा व विकल्प बाजारों में एक साथ दांव लगाकर अच्छा मुनाफा कमाकर सूचकांकों में हेरफेर कर रही थी। सोमवार देर रात जारी अपने परिपत्र में नियामक ने कहा कि स्टॉक एक्सचेंज कम से कम चार इंट्राडे स्नैपशॉट के माध्यम से स्थिति की निगरानी करेंगे।

सिंगापुर के पीएम लॉरेंस वोंग पहली बार आएंगे भारत, पांच अहम समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग 2 से 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आएंगे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच शिपिंग, नागरिक उड्डयन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के रूप में वोंग की यह पहली भारत यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना है।

महाराष्ट्र के कंटेनर टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी और वोंग गुरुवार को महाराष्ट्र में एक कंटेनर टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। पोर्ट ऑफ सिंगापुर अथॉरिटी (पीएसए इंटरनेशनल) ने इस परियोजना में एक अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

सिंगापुर भारत में निवेश का प्रमुख स्रोत

आंकड़ों के अनुसार, सिंगापुर भारत में निवेश का एक प्रमुख स्रोत है। 2014 से अब तक सिंगापुर का निवेश 175 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसमें कोविड के बाद की अवधि में 60 अरब डॉलर का निवेश शामिल हैं। पिछले वर्ष सितम्बर में प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान भारत–सिंगापुर संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था।

भारत–सिंगापुर संबंधों की 60वीं वर्षगांठ

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को वोंग की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि सिंगापुर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसमें हमारी श्एक्ट ईस्टश नीति भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि वोंग की यात्रा भारत–सिंगापुर राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। यह दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्री आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

वोंग के साथ उनकी पत्नी भी आएंगी

वोंग के साथ उनकी पत्नी भी रहेंगी साथ ही, एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। इसमें कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। पीएम वोंग राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर और कई अन्य केंद्रीय मंत्री प्रधानमंत्री वोंग से मुलाकात करेंगे।

जिन रेल कर्मचारियों का एसबीआई में खाता उन्हें मिलेगा 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा, मंत्रालय का एलान

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा की है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एसबीआई में वेतन खाता वाले रेलवे कर्मचारियों को एक करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक के साथ इस बारे में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। अभी तक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना के तहत ग्रुप ए, बी और सी कर्मचारियों को क्रमशः केवल 1.20 लाख, 60,000 और 30,000 का कवर मिलता था।

समझौते के तहत क्या–क्या मिलेगा लाभ?

इसके समझौते के तहत कर्मचारियों को प्राकृतिक मृत्यु पर भी 10 लाख का बीमा कवर मिलेगा। इसके लिए न तो प्रीमियम देना होगा और न ही कोई मेडिकल जांच करानी होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस एमओयू के तहत कुछ अन्य पूरक बीमा लाभ भी शामिल हैं। इनमें हवाई दुर्घटना बीमा कवर 1.60 करोड़, रुपे डेबिट कार्ड पर अतिरिक्त एक करोड़ रुपये तक, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर एक करोड़ रुपये तक और स्थायी आंशिक विकलांगता पर 80 लाख तक का कवर शामिल है।

मिचेल स्टार्क का टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने मंगलवार, दो सितंबर 2025 को अंतरराष्ट्रीय ज्20 क्रिकेट (ज्20प्) से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने यह फैसला मुख्य रूप से अपने टेस्ट क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने और आगामी 2027 वनडे विश्व कप के लिए खुद को ताजा और फिट बनाए रखने के लक्ष्य से लिया है। खास बात यह है कि अगले साल टी20 विश्व कप होना है, उससे ठीक पहले स्टार्क का संन्यास टीम को झटका देने वाला है। स्टार्क ने टी20 क्रिकेट से विदा लेकर यह साफ कर दिया है कि उनकी नजर अब लंबी पारी पर है। टेस्ट और 2027 विश्व कप में वह एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं। हालांकि, वह टी20 लीग खेलते रहेंगे।

स्टार्क का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर

स्टार्क (35 वर्ष) ने अपने ज्20प् करियर में कुल 65 मैच खेले और 79 विकेट हासिल किए। यह आंकड़ा उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे सफल तेज गेंदबाज बनाता है। स्पिनर एडम जैम्पा ही उनसे आगे हैं। स्टार्क 2021 में दुबई में खेले गए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम योगदान देने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। लंबे समय से वे टेस्ट क्रिकेट को अपनी प्राथमिकता बताते आए हैं।

स्टार्क ने कहा– टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता

अपने संन्यास की घोषणा के दौरान स्टार्क ने कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रहा है। मैंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले हर ज्20 मैच का लुत्फ उठाया, खासकर 2021 विश्व कप। यह जीत मेरे लिए खास थी, न सिर्फ इसलिए कि हमने खिताब जीता बल्कि इसलिए भी कि मैंने टीम के साथियों के साथ यादगार पल बिताए। स्टार्क ने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में उनके लिए भारतीय दौरा, एशेज सीरीज, और 2027 वनडे विश्व कप बेहद अहम हैं। वह चाहते हैं कि इन बड़ी चुनौतियों के लिए उनका शरीर पूरी तरह फिट रहे, और इसी कारण उन्होंने टी20 प्रारूप को अलविदा कहने का निर्णय लिया।

मुख्य चयनकर्ता बेली ने की तारीफ

प्रारूप	मैच	विकेट	इकोनॉमी	सर्वश्रेष्ठ	5फर
टेस्ट	100	402	3.41	6/9	16
ODI	127	244	5.26	6/28	9
T20I	65	79	7.74	4/20	0

स्टार्क के इस फैसले के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद टीम में युवा तेज गेंदबाजों जैसे शॉन एबॉट, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट के लिए जगह बनने की संभावना है। ये गेंदबाज पहले से ही टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं और स्टार्क का संन्यास उन्हें बड़ा अवसर देगा। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने भी स्टार्क की तारीफ करते हुए कहा कि वे टी20 क्रिकेट में टीम के लिए गेम–चेंजर रहे हैं। उनकी धारदार गेंदबाजी और बड़े मैचों में प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया को कई मौकों पर जीत दिलाई। चयन समिति के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा, मिच को अपने ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए टी20 करियर पर बेहद गर्व होना चाहिए। वह 2021 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे और हर बार अपनी विकेट लेने की क्षमता से मैच का रुख पलटने का हुनर दिखाया। हम उनके टी20 करियर को सही समय पर याद और सेलिब्रेट करेंगे, लेकिन अच्छी बात यह है कि वह अभी भी टेस्ट और वनडे क्रिकेट को लंबे समय तक खेलने पर फोकस कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया का व्यस्त शेड्यूल

ऑस्ट्रेलिया का शेड्यूल मध्य–2026 से शुरू होकर काफी व्यस्त रहने वाला है। टेस्ट टीम सबसे पहले बांग्लादेश की मेजबानी करेगी, फिर दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी और उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके बाद जनवरी 2027 में भारत का दौरा होगा, जहां पांच टेस्ट मैचों की बड़ी सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (डब्ळ) में इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र 150वीं वर्षगांठ टेस्ट आयोजित होगा। साल के बीच में ऑस्ट्रेलिया एशेज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा। इसी साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में अपना वनडे विश्व कप खिताब बचाने उतरेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए अहम बदलाव

स्टार्क के संन्यास की घोषणा ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्तूबर में होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम चयन के साथ हुई। इस टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को आराम दिया गया है ताकि वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शेफील्ड शील्ड क्रिकेट खेल सकें। वहीं नाथन एलिस ने अपनी पत्नी के साथ पहले बच्चे के जन्म के लिए उपलब्ध न रहने का फैसला किया। टीम में मैट शॉर्ट की वापसी हुई है, जो हाल ही में साइड स्ट्रेन से उबर चुके हैं। उनके साथ मिचेल ओवेन भी वापसी कर रहे हैं, जो कंकशन (सिर की चोट) से पूरी तरह ठीक हो गए हैं। इसके अलावा मार्कस स्टोइनिस, जिन्होंने हाल ही में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज मिस की थी, चयनकर्ताओं से सहमति बनाकर अब टीम में फिर से चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर, इन्हें बनाया जा सकता है कप्तान

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार सुबह घोषणा की कि उनके टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। बोर्ड ने इस निर्णय का कारण उनकी पूरी तरह से फिटनेस पर ध्यान देना बताया, ताकि वह आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार हो सकें। बोर्ड की आधिकारिक घोषणा में कहा गया, श्कमिंस को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के लिए चयन में शामिल नहीं लिया जाएगा। वह अपनी रिहैबिलिटेशन योजना पर ध्यान देंगे और गेंदबाजी में वापसी का समय एशेज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए तय किया जाएगा।

पीठ में तनाव से जूझते कमिंस

कमिंस का टीम में न होना ऑस्ट्रेलिया के लिए झटका हो सकता है। हाल ही में किए गए स्कैन में उनकी पीठ के निचले हिस्सों में हड्डियों में तनाव पाया गया है। हालांकि, इसे स्ट्रेस फ्रैक्चर नहीं बताया गया है। यह चोट चिंताजनक है क्योंकि उनका वनडे और टी20 में शारीरिक भार पहले ही काफी बढ़ चुका था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही उन्हें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से आराम दिया था। लेकिन पिछले टेस्ट दौरे के बाद उनकी पीठ में दर्द बना रहा और अब उसकी गंभीरता सामने आई है।

एशेज की तैयारी में चिंता

एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर, 2025 को पर्थ से होनी है। चयन समिति प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि बोर्ड कमिंस की तैयारी को लेकर आशावादी हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि वह पहले टेस्ट तक वापसी कर पाएंगे या नहीं।

कप्तानी और गेंदबाजी की जिम्मेदारी किसके कंधों पर?

कमिंस की गैरमौजूदगी में भारत में सीमित ओवरों की कप्तानी मिचेल मार्श के हाथों में रहने की संभावना है। वहीं, तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व बेन ड्वारशुइस, जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी होगी कि वे भारत और न्यूजीलैंड जैसे मजबूत विरोधियों के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की लय बनाए रखें। मिचेल स्टार्क ने मंगलवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लिया, लेकिन वह भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेल सकते हैं।

कमिंस की अनुपस्थिति भारत के लिए बड़ा फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते दिखेंगे। एक प्रमुख तेज गेंदबाज न होने से भारतीय बल्लेबाजों के मनोबल को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया कमिंस को किसी भी तरह का जोखिम नहीं देना चाहता और यही वजह है कि उन्हें भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर रखा गया है।

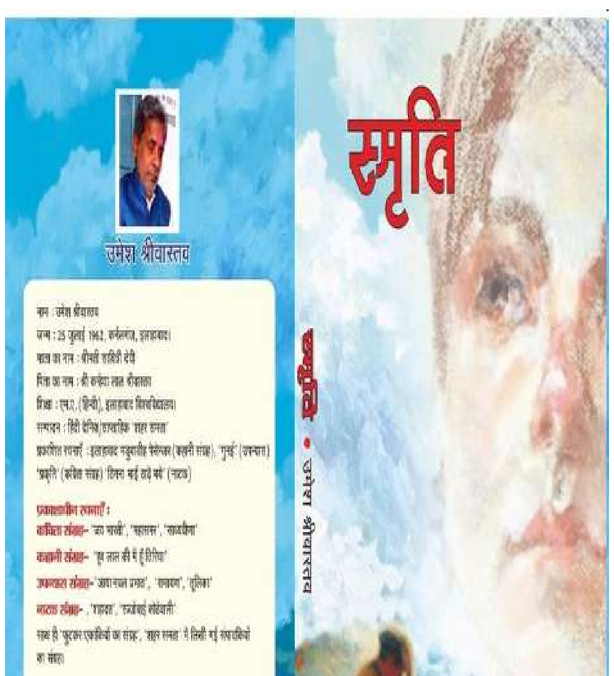

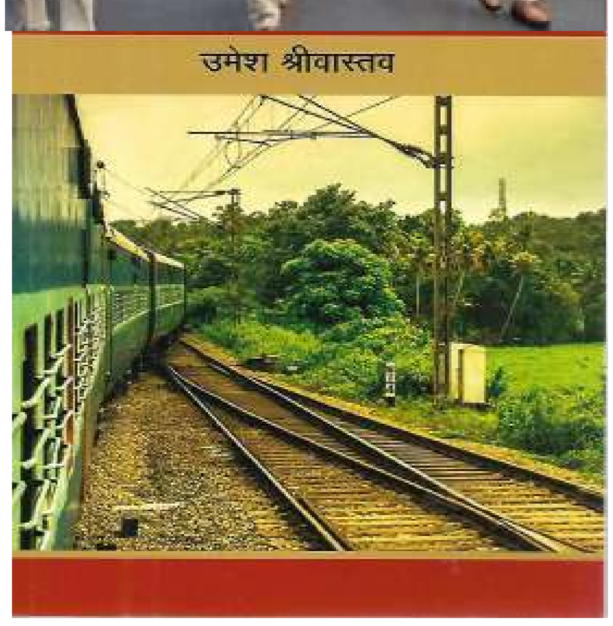

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

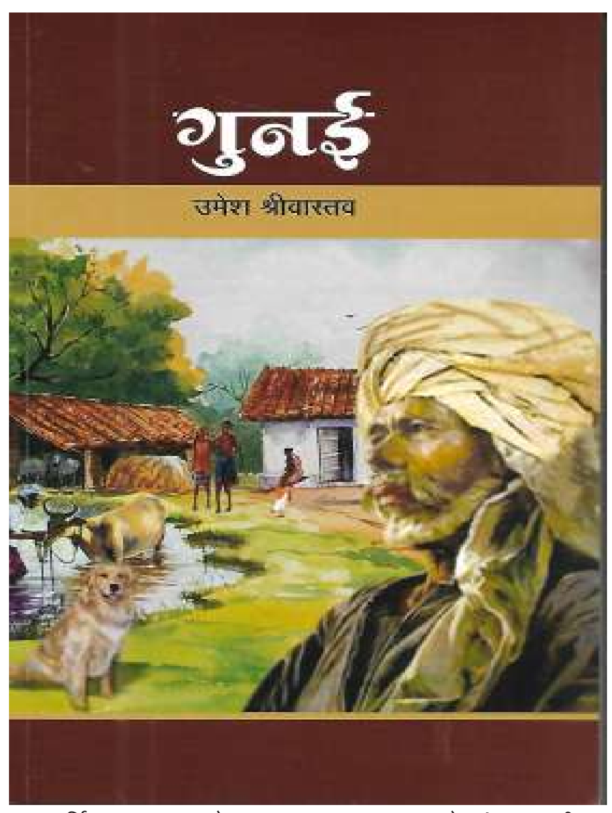

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

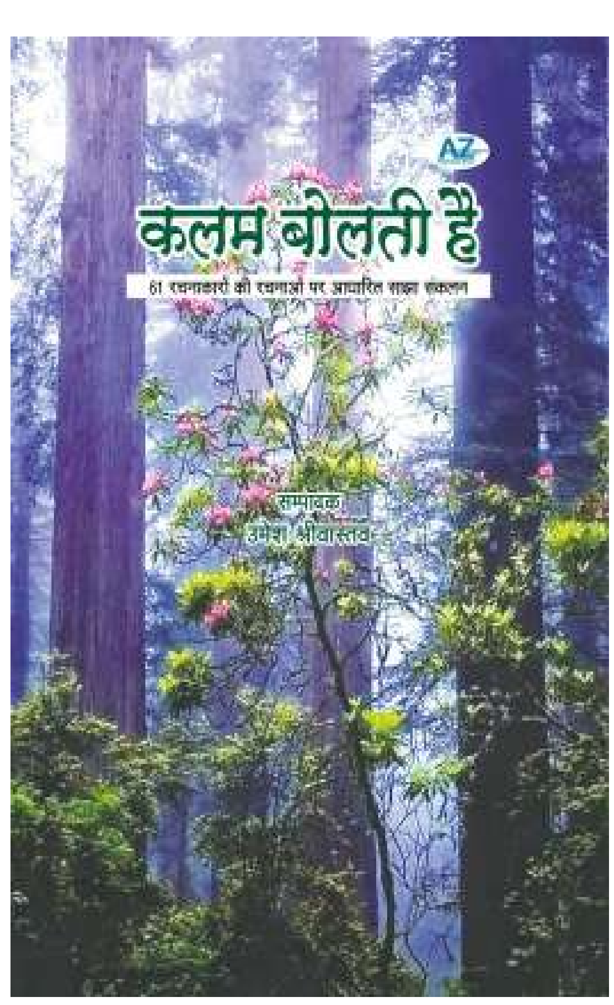

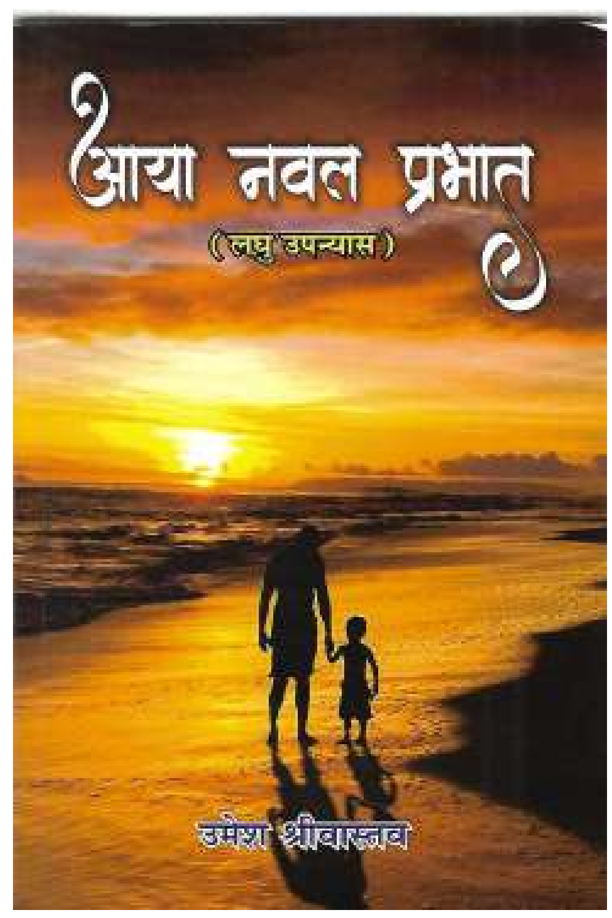

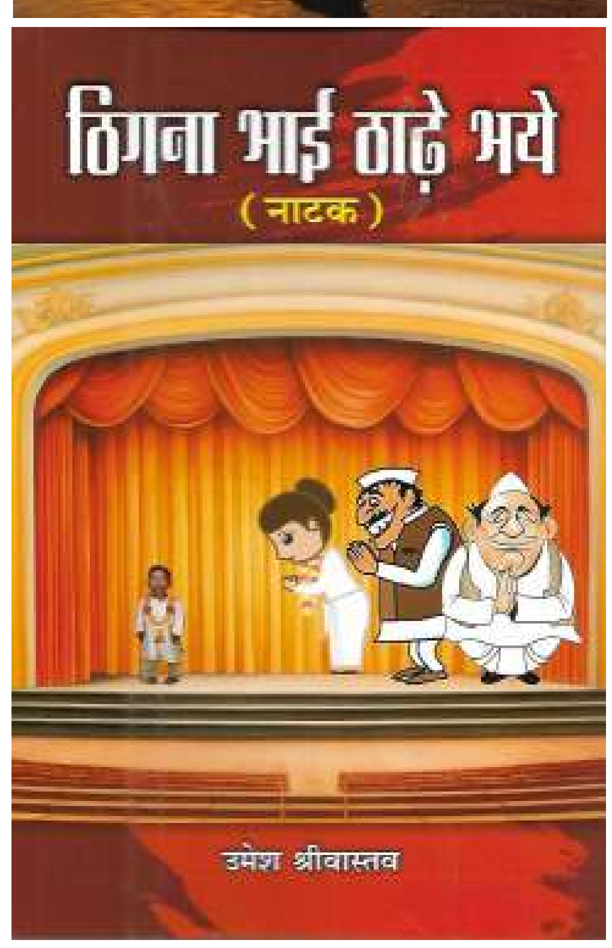

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अरब सागर में नौसेना का युद्धाभ्यास, पाकिस्तान में खौफ का माहौल

भारतीय वायु सेना (IAF) गुजरात और राजस्थान के पास अरब सागर में दो दिवसीय सैन्य अभ्यास करेगी। यह अभ्यास 2 सितंबर को सुबह लगभग 11 बजे से 3 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक चलेगा। जिस क्षेत्र में भारतीय वायुसेना का अभ्यास होगा, वह पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के काफी करीब है। भारतीय वायु सेना के अनुसार, यह एक नियमित अभ्यास है और इसके लिए

एक छव्ज।ड (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया गया है। नोटम या वायु मिशनों के लिए सूचना, एक प्रकार की सूचना है जो विमानन क्षेत्र में किसी विशिष्ट स्थान या स्थिति से संबंधित आवश्यक जानकारी या चेतावनियाँ प्रदान करती है। इसका उद्देश्य उड़ान संचालन से जुड़े लोगों को उन परिस्थितियों के बारे में सूचित करना है जो मानक प्रकाशनों के माध्यम से वितरित करने के लिए पर्याप्त समय से पहले उपलब्ध नहीं होती हैं। सामान्य संचालन का वर्णन करने के बजाय, छव्ज।ड राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र प्रणाली (छ।े) के किसी भाग को प्रभावित करने वाली किसी भी असामान्य या असामान्य परिस्थितियों पर प्रकाश डालता है। ये सूचनाएँ छ।े के भीतर किसी भी वैमानिकी सुविधा, सेवा, प्रक्रिया या संभावित खतरे के निर्माण, स्थिति या संशोधन के बारे में विवरण प्रदान करती हैं। छव्ज।ड में प्रयुक्त भाषा अद्वितीय होती है, जिसमें त्वरित और कुशल संचार सुनिश्चित करने के लिए विशेष संक्षिप्तीकरण और प्रारूप शामिल होते हैं। छव्ज।डे हवाईअड्डा प्राधिकारियों और सरकारी निकायों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन कन्वेंशन (ब्ब्।) के तहत वैमानिकी सूचना सेवाओं द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए जारी किए जाते हैं। इसके अलावा, भारतीय सेना अलास्का में एक द्विपक्षीय अभ्यास के तहत अमेरिकी सेना के साथ सामरिक अभ्यास करेगी, जिसमें तोपखाने, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का एकीकृत उपयोग शामिल है। पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि 14 दिनों का यह अभ्यास 1 सितंबर से शुरू होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा। भारत–अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास श्युद्ध अभ्यास 2025श का 21वां संस्करण अलास्का के फोर्ट वेनराइट में 14 दिनों की अवधि में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष का अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच राजनयिक संबंध तनाव का सामना कर रहे हैं, मुख्यतः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की व्यापार और टैरिफ नीतियों के कारण।

वादे तोड़कर बढ़ाए हमले...भारत के पक्के दोस्त पर बड़ा कदम उठाने की तैयारी में अमेरिका

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में चल रहे युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों सहित सभी संभावित कार्रवाइयों पर विचार कर रहा है। फॉक्स न्यूज़ से बात करते हुए बेसेंट ने कहा कि पुतिन ने घृणित तरीके से बमबारी अभियान बढ़ा दिया है। इसलिए, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सभी विकल्प विचाराधीन हैं और मुझे लगता है कि हम इस सप्ताह उन पर बारीकी से विचार करेंगे। यह टिप्पणी अलास्का शिखर सम्मेलन के दो हफ़्ते बाद आई है, जहाँ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए मुलाकात की थी। शिखर सम्मेलन में, ट्रंप ने रूस को शांति समझौते की दिशा में प्रगति दिखाने के लिए दो हफ़्ते की समयसीमा दी थी। यह समयसीमा सोमवार को समाप्त हो गई, और शांति की दिशा में कोई स्पष्ट प्रगति नहीं हुई। इस बीच, चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाइयों का बचाव किया। उन्होंने दावा किया कि यह संघर्ष 2014 में कीव में हुए तख्तापलट के कारण शुरू हुआ था, जिसे उन्होंने पश्चिमी देशों द्वारा उकसाया गया था। पुतिन ने यह भी कहा कि यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पश्चिम के प्रयास रूस की सुरक्षा के लिए सीधा ख़तरा हैं, और उन्होंने आक्रमण के लिए लंबे समय से चले आ रहे औचित्य को दोहराया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अगर पुतिन सोमवार तक शांति वार्ता के लिए प्रतिबद्ध नहीं होते हैं, तो यह दिखाएगा कि उन्होंने एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप के साथ खेल किया है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ बोलते हुए, मैक्रों ने चेतावनी दी, अगर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निर्धारित समय सीमा, तक ऐसा नहीं होता है, तो इसका मतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन ने एक बार फिर राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने भी पिछले हफ़्ते इस स्थिति पर टिप्पणी की थी और जनता को याद दिलाया था कि ट्रंप ने पुतिन को शांति वार्ता के लिए सहमत होने के लिए ष्एक या दो हफ़्तेष का समय दिया था। अब जबकि समय सीमा समाप्त हो चुकी है और बातचीत की कोई संभावना नहीं दिख रही है, पश्चिम और रूस के बीच तनाव और बढ़ने की संभावना है।

मोदी ने पुतिन–जिनपिंग को बता दिया ट्रंप का दिमाग ठिकाने लाने का मंत्र, चीन में लग गया अमेरिका के दुश्मनों का मेला

चीन में इन दिनों अमेरिकी दुश्मनों का तांता लगा है। एक के बाद एक अमेरिका के दुश्मन चीन पहुंच रहे हैं। भारत के साथ संबंध खराब करने के बाद अमेरिका ने बैठे बिठाए एक मौका दे दिया, चीन के करीब जाने का मौका और बिना समय गंवाए बीजिंग ने भी इस मौके को लपक लिया। अब बारी बाकी देशों की है। चीन इस समय हिंद प्रशांत क्षेत्र और एशिया का केंद्र बन चुका है। एससीओ संगठन के बाद अब बारी मिलिट्री परेड की है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

चीन–रूस और भारत को साथ देखकर बदले अमेरिका के तेवर? वित्त मंत्री ने भारत को बताया 'महान', बोले–

दोनों मिलकर निकाल लेंगे समस्या का समाधान

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को भारत के साथ व्यापार विवादों के समाधान का विश्वास व्यक्त करते हुए दावा किया कि ष्दोनों महान देश इसे सुलझा लेंगे।ष हालाँकि, बेसेंट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के महत्व को कम करके आंका, जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन और शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, बेसेंट ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। वाशिंगटन के मार्टिन्स टैवर्न में फॉक्स न्यूज़ से बात करते हुए उन्होंने कहा, यह एक लंबे समय से चली आ रही बैठक है, इसे शंघाई सहयोग संगठन कहा जाता है और मुझे लगता है कि यह काफी हद तक औपचारिक है।

ट्रंप के सहयोगी ने एससीओ बैठक को श्कार्यात्मकश बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत द्वारा टैरिफ को शून्य करने की पेशकश की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने विश्वास व्यक्त किया कि वाशिंगटन और नई दिल्ली मौजूदा तनावों को सुलझा सकते हैं। हालाँकि, उन्होंने भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की निरंतर खरीद की आलोचना की, जिससे उनके अनुसार यूक्रेन में मास्को के युद्ध को बढ़ावा मिलने का खतरा है। फॉक्स न्यूज़ के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, बेसेंट ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हाल ही में हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भागीदारी को लेकर चिंताओं को कम करके आंका। उन्होंने कहा, ष्यह एक लंबे समय से चली आ रही बैठक है, इसे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) कहा जाता है और मुझे लगता है कि यह काफी

हद तक कार्यात्मक है।ष ष्मुझे लगता है कि अंततः, भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला लोकतंत्र है। उनके मूल्य रूस की तुलना में हमारे और चीन के ज़्यादा करीब हैं।ष उन्होंने आगे कहा, ष्और देखिए, ये बुरे लोग हैं... भारत रूसी युद्ध मशीन को बढ़ावा दे रहा है, चीन रूसी युद्ध मशीन को बढ़ावा दे रहा है... मुझे लगता है कि एक समय ऐसा आएगा जब हम और हमारे सहयोगी देश आगे आएंगे। द्विपक्षीय संबंधों पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत की नींव मज़बूत है और इस बात पर ज़ोर दिया कि दोनों लोकतंत्र अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, ष्दो महान देश इसे सुलझा लेंगे।ष

ट्रंप के सहयोगी ने रूसी तेल व्यापार को लेकर भारत की आलोचना की

अपने आशावादी रुख़ के बावजूद, बेसेंट ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार की आलोचना की। उन्होंने तर्क दिया कि नई दिल्ली द्वारा रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल का आयात – और उसके बाद परिष्कृत उत्पादों की पुनर्विक्रय – यूक्रेन में क्रेमलिन के युद्ध को वित्तपोषित करने में प्रभावी रूप से मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्लेकिन रूसी तेल खरीदने और फिर उसे पुनर्विक्रय करने, यूक्रेन में रूसी युद्ध प्रयासों को वित्तपोषित करने के मामले में भारत अच्छे खिलाड़ी नहीं रहे हैं।ष बेसेंट ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने के वाशिंगटन के फैसले के पीछे व्यापार वार्ता में धीमी प्रगति को एक प्रमुख कारण बताया। अमेरिकी वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि ष्सभी विकल्प विचाराधीन हैंष क्योंकि ट्रम्प प्रशासन यूक्रेन पर बढ़ते हमले को लेकर रूस पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। बेसेंट ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, मुझे लगता है कि सभी विकल्प विचाराधीन हैं। उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर हाल ही में शांति वार्ता के बावजूद हमले बढ़ाने का आरोप लगाया।

ट्रम्प का दावारू भारत ने शून्य टैरिफ की पेशकश की

इससे पहले, ट्रम्प ने कहा था कि भारत के साथ व्यापार पूरी तरह से ष्एकतरफा आपदाष रहा है, और आरोप लगाया कि उच्च टैरिफ के कारण अमेरिका भारत को सामान नहीं बेच पा रहा है। उन्होंने लिखा ...वे हमें भारी मात्रा में सामान बेचते हैं, जो उनका सबसे बड़ा श्ग्राहकश है, लेकिन हम उन्हें बहुत कम बेचते हैं —— अब तक यह पूरी तरह से एकतरफ़ा रिश्ता रहा है, और यह कई दशकों से चला आ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत ने अब तक हम पर इतने ज़्यादा टैरिफ़ लगाए हैं, किसी भी देश से ज़्यादा, कि हमारे व्यवसाय भारत में सामान नहीं बेच पा रहे हैं। यह पूरी तरह से एकतरफ़ा आपदा रही है। अमेरिका ने हाल ही में तीव्र व्यापार असंतुलन का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ़ लगाया है। इसके अलावा, भारत द्वारा रूस के साथ तेल व्यापार में कटौती की वाशिंगटन की माँग को ठुकराने के बाद उसने 25 प्रतिशत और टैरिफ़ लगाया है, जिससे कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है।

पुतिन ने ट्रंप से किया 'खेल', शांति वार्ता ठप! अब रूस पर और कड़े प्रतिबंधों का खतरा!

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ष्सभी विकल्प विचाराधीन हैंष क्योंकि ट्रंप प्रशासन यूक्रेन में बढ़ते युद्ध को लेकर रूस पर और प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बातचीत के ज़रिए शांति वार्ता की कोशिश जारी रखे हुए हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में, बेसेंट ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर हवाई हमले तेज़ करने का आरोप लगाया, जबकि हाल की बैठकों में संकेत मिले थे कि पुतिन बातचीत के लिए तैयार हैं। बेसेंट ने कहा, एंकोरेज में हुई ऐतिहासिक बैठक के बाद से... पुतिन ने जो करने का संकेत दिया था, उसके विपरीत काम किया है। वास्तव में, उन्होंने घृणित तरीके से बमबारी अभियान को बढ़ा दिया है। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ, सभी विकल्प विचाराधीन हैं, और मुझे लगता है कि हम इस हफ़्ते उन पर बारीकी से विचार करेंगे।

अलास्का शिखर सम्मेलन के बाद से ट्रंप और पुतिन के बीच

कोई प्रगति नहीं

यह टिप्पणी अलास्का शिखर सम्मेलन के दो हफ़्ते बाद आई है, जहाँ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने पर चर्चा करने के लिए मिले थे। शिखर सम्मेलन में, ट्रंप ने रूस को शांति समझौते की दिशा में प्रगति दिखाने के लिए दो हफ़्ते की समय सीमा दी थी। यह समय सीमा सोमवार को समाप्त हो गई, और शांति की दिशा में कोई स्पष्ट प्रगति नहीं हुई। इस बीच, चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाइयों का बचाव किया। उन्होंने दावा किया कि यह संघर्ष 2014 में कीव में हुए तख्तापलट के कारण शुरू हुआ था, जिसे उन्होंने पश्चिमी देशों द्वारा उकसाया गया था। पुतिन ने यह भी कहा कि यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पश्चिम के प्रयास रूस की सुरक्षा के लिए सीधा ख़तरा हैं, और उन्होंने आक्रमण के लिए लंबे समय से चले आ रहे औचित्य को दोहराया।

मैक्रों का कहना है कि पुतिन ने शांति वार्ता की समय सीमा की अनदेखी करके ट्रंप के साथ श्खेलश खेला

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को कहा कि अगर पुतिन सोमवार तक शांति वार्ता के लिए प्रतिबद्ध नहीं होते हैं, तो यह दिखाएगा कि उन्होंने एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप के साथ खेल किया है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ बोलते हुए, मैक्रों ने चेतावनी दी, अगर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निर्धारित समय सीमा, सोमवार तक ऐसा नहीं होता है, तो इसका मतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन ने एक बार फिर राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल किया है।

ज़ेलेंस्की की समय सीमा चूकने पर प्रतिक्रिया

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने भी पिछले हफ़्ते इस स्थिति पर टिप्पणी की थी और जनता को याद दिलाया था कि ट्रंप ने पुतिन को शांति वार्ता के लिए सहमत होने के लिए ष्एक या दो हफ़्तेष का समय दिया था। अब समय सीमा समाप्त हो गई है और कोई बातचीत नज़र नहीं आ रही है, ऐसे में पश्चिम और रूस के बीच तनाव और बढ़ने वाला है।

चीन में 2019 के बाद पहली बड़ी सैन्य परेड, कई हथियारों का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में मंगलवार को एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया गया, जिसमें दुनिया के सामने मिसाइलें, लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य हथियार दिखाए गए। इनमें से कई हथियारों का पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है। परेड के दौरान सैनिक कदमताल के साथ राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने से गुजरे। शी जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सर्वोच्च नेता हैं और साथ ही केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेना की कमान भी संभालते हैं। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जा रही है। इस आयोजन में करीब दो दर्जन देशों के विदेशी नेता शामिल हो रहे हैं, जो बीजिंग के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना या बनाए रखना चाहते हैं।

इन हथियारों का किया गया प्रदर्शन

चीन के सैन्य अधिकारियों ने बताया कि परेड में दिखाए गए ज्यादातर हथियार पहली बार आम जनता को दिखाए गए। इनमें जमीन, समुद्र और आकाश से चलने वाले रणनीतिक हथियार, आधुनिक और सटीक हमला करने वाले उपकरण और ड्रोन शामिल हैं। आसमान में युद्धक विमान और हेलिकॉप्टर एक साथ उड़ान भरते नजर आए।

छह साल बाद पहली बड़ी सैन्य परेड

2019 के बाद यह चीन में पहली बड़ी सैन्य परेड है। 2019 में यह परेड सीपीसी की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस बार की परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति को याद करने के लिए की जा रही है। इस युद्ध ने चीन को बुरी तरह प्रभावित किया था।

चीन की बढ़ती सैन्य ताकत से अमेरिका चिंतित

इस परेड का मकसद देश के नागरिकों में गर्व और आत्मविश्वास पैदा करना है और यह दिखाना है कि देश किसी भी हमले से निपटने में सक्षम है। हालांकि, चीन की बढ़ती सैन्य ताकत उसके एशियाई पड़ोसियों और अमेरिका के लिए चिंता का विषय भी बनी हुई है।

किम जोंग और व्लादिमीर पुतिन मौजूद

अमेरिका और पश्चिमी देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस परेड से दूर हैं। जापान, भारत और दक्षिण कोरिया के नेता भी इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। उत्तर कोरिया के किम जोंग उन छह साल के बाद चीन में इस तरह के आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं। उनके साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति भी शामिल हो रहे हैं। दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ देशों के नेता भी इसमें शामिल हो रहे हैं। हालांकि, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने देश में विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी यात्रा रद्द कर दी है।

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 800 लोगों की मौत, 2,500 व्यक्ति घायल

अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गयी तथा 2,500 से अधिक व्यक्ति घायल हो गए। तालिबान सरकार ने सोमवार को इस संबंध में आंकड़े उपलब्ध कराए। काबुल से सटे नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है। कुनार के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक नूरगल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव ही तबाह हो गया है। ग्रामीण ने बताया, "बच्चे मलबे के नीचे दबे हैं। बुजुर्ग मलबे के नीचे हैं। युवा मलबे के नीचे दबे हैं।" उसने गुहार लगायी, "हमें यहां मदद की जरूरत है। हमें यहां मदद की जरूरत है। हमें लोगों की जरूरत है जो यहां आकर हमारा साथ दें और दबे हुए लोगों को बाहर निकालें। कोई भी नहीं है जो आकर मलबे के नीचे से शवों

को निकाल सके।" अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप मध्यरात्रि से ठीक पहले आया और भूकंप का केंद्र जलालाबाद से 27 किलोमीटर दूर पूर्व–उत्तरपूर्व में आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए। फुटेज में दिखाया गया कि बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से निकाल कर स्ट्रेचर की मदद से हेलिकॉप्टरों में ले जा रहे हैं, जबकि लोग हाथों से मलबे को हटाने में लगे हुए हैं। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 के आसपास हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं। भूकंप पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद सहित देश के कई हिस्सों में महसूस किया गया। हालांकि भूकंप से किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। अफगानिस्तान में भूकंप से कई मकान ढह गए ओर लोग मदद के लिए पुकार रहे थे। पूर्वी अफगानिस्तान पर्वतीय क्षेत्र है और दूरदराज के क्षेत्रों में बस्तियां हैं। भूकंप के कारण संचार व्यवस्था बिगड़ गई है। सड़कें अवरुद्ध होने के कारण सहायताकर्मियों को जीवित बचे लोगों तक पहुंचने के लिए चार–पांच घंटे पैदल चलना पड़ रहा है। घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए नंगरहार हवाई अड्डे से कई उड़ानें भरी गई हैं। अफगानिस्तान में इमारतें आमतौर पर कम ऊंचाई वाली होती हैं, जो ज्यादातर कंक्रीट और ईंटों से बनी होती हैं। ग्रामीण और दूर–दराज के इलाकों में कच्चे मकान होते हैं जो ईंटों और लकड़ी से बने होते हैं। कई मकानों की गुणवत्ता घटिया होती है। घटना में जीवित बचे एक व्यक्ति ने बताया कि उसने अपनी आंखों के सामने घरों को ढहते और लोगों को मदद के लिए चीखते–चिल्लाते देखा। नूरगल के माजा दारा इलाके में रहने वाले सादिकुल्ला ने बताया कि तेज धमाके से उनकी नींद खुली, जो किसी तूफान के आने जैसा लग रहा था। वह दौड़कर अपने बच्चों के पास गए और उनमें से तीन को बचा लिया। वह अपने परिवार के बाकी सदस्यों को लेने के लिए वापस लौटने ही वाले थे कि कमरे की दीवार उनके ऊपर गिर गई। उन्होंने कहा, "मेरा आधा हिस्सा मलबे में दबा था और मैं बाहर नहीं निकल पा रहा था। मेरी पत्नी और दो बेटों की मौत हो चुकी है और मेरे पिता घायल हैं तथा मेरे साथ अस्पताल में हैं। हम तीन–चार घंटे तक मलबे में फंसे रहे। अन्य इलाकों से लोगों ने आकर मुझे बाहर निकाला।" उन्होंने कहा, "ऐसा लगा मानो पूरा पहाड़ हिल रहा हो।" स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि बचाव अभियान जारी है और कुनार, नंगरहार एवं राजधानी काबुल से चिकित्सा दल इलाके में पहुंच गए हैं। जमान ने कहा कि भूकंप में मरने वालों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि कई इलाकों से हताहतों की संख्या की सूचना नहीं मिल पाई है। मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि हेलीकॉप्टर कुछ इलाकों में पहुंच गए हैं, लेकिन सड़क मार्ग से यात्रा मुश्किल है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, "कुछ गांव ऐसे हैं जहां मलबे से घायलों और मृतकों को नहीं निकाला जा सका है, इसलिए संख्या बढ़ सकती है।" संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने कहा कि भूकंप ने अफगानिस्तान में मौजूदा मानवीय चुनौतियों को और बढ़ा दिया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से राहत प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया। 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रीसेंट सोसाइटीज' ने एक बयान में कहा कि तत्काल जरूरतों में खोज और बचाव सहायता, आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा आपूर्ति, भोजन, स्वच्छ पानी और अलग–थलग पड़े समुदायों तक सड़क मार्ग बहाल करना शामिल है।

बोर्नियो द्वीप में लापता हेलीकॉप्टर की तलाश जारी, एक भारतीय समेत आठ लोग सवार

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप के ऊपर उडान भरते समय सोमवार को एक हेलीकॉप्टर लापता हो गया था, जिसकी तलाश मंगलवार को भी जारी रही। इस हेलीकॉप्टर में आठ लोग सवार थे, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। इंडोनेशियाई समाचार एजेंसी अंतरा की रिपोर्ट के अनुसार, एयरबस बीके117 डी–तीन मॉडल का यह हेलीकॉप्टर एस्टिंडो एयर कंपनी का था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।